



गगनयान ने मॉड्यूल अलग करने का टेस्ट पास किया

यह सुरक्षित वापसी में भी मददगार ; इसरो का लक्ष्य – 2026 में लॉन्च हो पहला मानवरहित मिशन



एजेंसी नई दिल्ली

इसरो ने गगनयान कार्यक्रम के कर्ू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल को अलग करने वाले सिस्टम की टेस्टिंग पूरी कर ली है। इसके बाद इस सिस्टम के डिजाइन की क्षमता की पुष्टि हुई है। ये परीक्षण तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में किए गए। गगनयान का पहला मानवरहित मिशन त1 साल 2026 में लॉन्च करने का लक्ष्य है। गगनयान का ऑर्बिटल मॉड्यूल कर्ू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल से मिलकर बना है। दोनों मॉड्यूल एक सेपरेट सिस्टम के जरिए जुड़े होते हैं। अंबिलिकल कनेक्शनों से इनके बीच बिजली और लिक्विड की सप्लाई होती है। लॉन्च से पहले दोनों मॉड्यूल को एक साथ जोड़ा जाता है। मिशन के ऑर्बिट में रहने वाले चरण के खत्म होने तक ये एक यूनिट की तरह काम करते हैं।

पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश से पहले कर्ू मॉड्यूल, सर्विस मॉड्यूल से अलग होता है। इसके लिए कई घटनाएं तय क्रम में होती हैं।

परीक्षण में तया जांचा गया

इस्रो ने सेपेरेशन सिस्टम के पूरे डिजाइन की पुष्टि के लिए विक्रम साराभाई सेंटर में ये परीक्षण किए। टेस्ट सेटअप में कर्ू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल की एक साथ जुड़ी संरचना तैयार की गई थी। पूरी प्रक्रिया की जांच के लिए इसमें बड़ी संख्या में इंटररूमेंट लगाए गए थे। इसरो के मुताबिक, इन परीक्षणों से सेपेरेशन सिस्टम के डिजाइन की क्षमता की पुष्टि हुई। साथ ही, कर्ू मॉड्यूल के कई अहम सिस्टम की मजबूती और झटके सहने की क्षमता भी जांची गई। इनमें एक्टिवोनिक्स सिस्टम, इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम और पिछले हिस्से, शंकु के आकार वाले हीट शील्ड में लगा थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम शामिल है। कर्ू मॉड्यूल डिप्लॉयबल ऑर्बिलिकल शील्ड की भी जांच की गई। इसके अलावा, कर्ू मॉड्यूल अप राइटिंग सिस्टम और थर्मल एंड ह्यूमिडिटी कंट्रोल सिस्टम से जुड़े पाइरोटेक्निक डिवाइस भी परीक्षण में शामिल थे।

मॉड्यूल सेपेरेशन को सवाल-जवाब में समझें

मॉड्यूल अलग करना क्यों जरूरी है- गगनयान के कर्ू मॉड्यूल को पृथ्वी पर लौटना है, जबकि सर्विस मॉड्यूल अंतरिक्ष में जरूरी सेवाएं देता है। वापसी के समय सर्विस मॉड्यूल को अलग करना जरूरी है, ताकि कर्ू मॉड्यूल अपने हीट शील्ड के साथ वायुमंडल में प्रवेश कर सके।

मां रूपी सोरेन के दशकर्म की रस्में संथाली रीति-रिवाज से संपन्न, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निभाई पारिवारिक परंपरा

रफ़्तार मीडिया सवाददाता

रामगढ़: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को रामगढ़ के अपने पैतृक गांव नेमरा में अपनी दिवंगत माता स्वर्गीय रूपी सोरेन के दशकर्म संस्कार की सभी रस्में पूरी श्रद्धा, आस्था और पारिवारिक परंपराओं के अनुरूप निभाईं। संथाली रीति-रिवाजों और स्थानीय सामाजिक परंपराओं के बीच संपन्न हुए इस संस्कार में परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने भी भाग लिया। माता के निधन के बाद शोककुल परिवार पारंपरिक विधि-विधान के साथ सभी संस्कारों को पूरा कर रहा है।

दशकर्म के दौरान मुख्यमंत्री ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार भोजन परोसने की रस्म निभाईं। इस अवसर पर उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने भी



लगे रिश्तेदार और ग्रामीण

शनिवार सुबह से ही मुख्यमंत्री की दिवंगत माता रूपी सोरेन के दशकर्म में शामिल होने के लिए रिश्तेदारों और परिचितों के नेमरा पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। संथाल समाज के प्रतिनिधियों ने भी गांव पहुंचकर

दिवंगत रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की और मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। नेमरा और आसपास के गांवों के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे और शोककुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताईं।

पारिवारिक संस्कारों के बीच जनता से भी संवाद मातृ-वियोग की इस कठिन

घड़ी में पारिवारिक संस्कारों को निभाने के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लोगों से भी मिलते रहे। गांव में उनसे मिलने पहुंच रहे ग्रामीणों की समस्याएं सुनने और उनसे संवाद करने का सिलसिला भी जारी रहा। मुख्यमंत्री आवास से करीब 200 मीटर पहले ग्रामीणों की सुविधा के लिए एक बड़ा पंडाल बनाया गया है, जहां

लोगों के बैठने और मुलाकात की व्यवस्था की गई है।

रविवार को संस्कार भोज, एक लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद

दिवंगत रूपी सोरेन का संस्कार भोज रविवार, 18 अक्टूबर को नेमरा में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संस्कार भोज में भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। इसी अनुभव को ध्यान में रखते हुए इस बार भी प्रशासन की ओर से भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारियों की जा रही हैं।

उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से कड़ाके की ठंड

राजस्थान में तापमान 6°C गिरा; लखनऊ में बाढ़ से 3 लाख लोग प्रभावित

एजेंसी नई दिल्ली

हिमाचल में बारिश और बर्फबारी के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया

है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। वहीं, प्रदेश में शनिवार सुबह का तापमान 9एच दर्ज किया गया, जबकि दो दिन पहले तक यह 17.7°C था। राजस्थान में बारिश ने सुबह-शाम सर्दी बढ़ा दी है। मौसम

बदलने से अधिकतम तापमान 6 डिग्री तक गिर गया है। सबसे कम तापमान अलवर में 27 डिग्री रहा, जबकि माउंट आबू में पारा 27.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। लखनऊ में बाढ़ से हालात

बिगड़े हुए हैं।

फैजुल्लागंज इलाके की 3 लाख से ज्यादा आबादी प्रभावित है। गोमती का जलस्तर घटने लगा है, लेकिन घरों में 21वें दिन भी पानी भरा है।



संक्षिप्त

समाचार.....

डीएमके बोली-कांग्रेस के पास एसआईआर के विरोध का अधिकार नहीं

चेन्नई। डीएमके सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि डीएमके शुरुआत से एसआईआर का विरोध कर रही है। कांग्रेस की आलोचना करने का नैतिक अधिकार नहीं है। राजा डीएमके संसदीय दल की बैठक के बाद चेन्नई में मीडिया से बात रह रहे थे। बैठक में पार्टी ने चार प्रस्ताव पास किए। तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके बीच 22 साल से गठबंधन था। मई में विधानसभा चुनाव के बाद टूट गया। कांग्रेस ने विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन दिया और मिलकर सरकार चला रहे हैं। राजा ने कहा कि डीएमके ने एसआईआर लागू होने के समय से ही इसका विरोध किया है। पार्टी ने संसद के अंदर और बाहर कई कदम उठाए हैं। डीएमके का यह रुख अभी भी कायम है। डीएमके संसदीय दल का प्रस्ताव तमिलनाडु की जनता और देशभर के राजनीतिक पर्यवेक्षकों के सामने पार्टी के विरोध का क्रम रखने के लिए तैयार किया गया है।

कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी मारे गए

श्रीनगर। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक दो आतंकी मारे गए हैं। पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं। सेना के मुताबिक, कुपवाड़ा स्थित केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में शनिवार सुबह करीब 3-30 बजे सुरक्षाबलों ने सदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। सर्व ऑपरेशन अभी जारी है। 12 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में स्पष्ट के पास कृष्णा घाटी सेक्टर से जुड़े इलाके में धमाका हुआ। इसमें चार लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि वे भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

राजस्थान- मिनी बस एक्सप्रेसवे से नाले में गिरी, 8 मौतें

कोटा। राजस्थान के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैपो ट्रैवलर (मिनी बस) पुलिया से गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग मध्य प्रदेश के बैतुल के रहने वाले थे। एक्सीडेंट शनिवार सुबह 6 बजे सिमलिया थाना क्षेत्र में हुआ। साहू नंद सिंह ने बताया कि ट्रैवलर भोपाल से खादरूयामजी आ रहा था। कोटा शहर से 35 किलोमीटर दूर काराड़िया टोल के पास ट्रैवलर पुलिया से 15 फीट नीचे गिर गया। एक्सीडेंट में 17 पैसंजर्स घायल हुए हैं। अंधेरे के कारण रेस्क्यू में कुछ देरी भी हुई। ग्रामीणों ने बताया कि कई डेडबॉडी सड़कों के बीच फंसी थीं। उन्हें बड़ी मुश्किल से बाहर खींचा गया। घायलों को खिड़की तोड़कर निकाला गया। ओम बिरला ने कहा कि घटना की जांच कराई जा रही है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे सहित अन्य हाईवे पर रोड सेफ्टी के लिए स्टडी की जा रही है। कुछ पॉइंट्स बताए हैं। उसकी अंतिम मीटिंग नवंबर में होगी। मीटिंग के बाद ब्लैक स्पॉट को ठीक कराएंगे, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना नहीं हो।

ओडिशा के राज्यपाल के रूप में आज शपथ लेंगे ब्रजमोहन राम



रफ़्तार मीडिया के प्रबंध निदेशक गौरव सिंह ने मुलाकात कर दी बधाई सौरभ राय/रफ़्तार मीडिया

रांची: पलामू से तीन बार सांसद और लातेहार से विधायक रह चुके ब्रजमोहन राम ओडिशा के राज्यपाल के तौर पर आज भुवनेश्वर स्थित लोकभवन में आयोजित समारोह में ओडिशा के राज्यपाल के रूप में शपथ लेंगे। इस अवसर को लेकर झारखंड में भी हर्ष का माहौल है। ओडिशा रवाना होने से पूर्व शनिवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित उनके आवास पर रफ़्तार मीडिया के प्रबंध निदेशक गौरव सिंह ने उनसे मुलाकात की और उन्हें सम्मानित कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

मां दुर्गा के आशीर्वाद से मिली नई जिम्मेदारी- ब्रजमोहन राम

मुलाकात के दौरान नवनियुक्त राज्यपाल ब्रजमोहन राम ने सम्मान के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि नवरात्र के पावन अवसर पर मां दुर्गा के आशीर्वाद के स्वरूप उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।

उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की पावन धरती ओडिशा में लोगों की सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने इस नई जिम्मेदारी को जनसेवा के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा।

झारखंड के लिए गर्व का विषय-गौरव सिंह

वहीं, इस दौरान रफ़्तार मीडिया के प्रबंध निदेशक गौरव सिंह ने ब्रजमोहन राम को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि झारखंडवासियों के लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि पलामू जैसे क्षेत्र से निकलकर अपने संघर्ष और अनुभव के दम पर ब्रजमोहन राम देश के एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्रजमोहन राम के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का लाभ ओडिशा की जनता को मिलेगा। उनके नेतृत्व में राज्य के विकास और जनकल्याण के कार्यों को नई दिशा मिलेगी। गौरव सिंह ने उनके नए दायित्व के सफल निर्वहन की कामना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि झारखंड के लिए गौरव का क्षण है। इस अवसर पर शैलेश झा की भी अहम उपस्थिति रही।

सलूजा गोल्ड®

TMT BARS

मज़बूती सबकुछ है

SG600

www.salujagold.com

Toll Free: **1800 313 7800**

न्यूज | ब्रीफ

युवक की मौत पर सड़क जाम, तीन घंटे ठप रहा आवागमन



- हादसे में युवक की मौत, दूसरा गंभीर; ग्रामीणों ने किया सड़क जाम**
संवाददाता- बबलु मुशताक ...

अनगड़ा: अनगड़ा थाना क्षेत्र के हेसल मोड़ पर सड़क दुर्घटना में युवक की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार सुबह शव रखकर रांची-पुरलिया फोरलेन सड़क जाम कर दी।सुबह आठ बजे शुरू हुआ जाम प्रशासन के साथ वार्ता के बाद 11:45 बजे हटया गया। इस दौरान सड़क पर आवागमन प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे हेसल जटया ढीपा के समीप बाहेया रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में सिलवे पंचायत के उलालु निवासी नारायण गोप (25) की मौत हो गई, जबकि कार्तिक महतो (24) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक मोटरसाइकिल (जेएच 01 एफआर 8065) से जा रहे थे।टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े।सूचना मिलते ही अनगड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को स्वर्णरेखा अस्पताल, टाटीसिलवे पहुंचाया। चिकित्सकों ने नारायण गोप को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में कार्तिक महतो को प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स, रांची रेफर किया गया।पुलिस ने नारायण के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।शनिवार को ग्रामीणों ने मृतक के शव के साथ सड़क जाम कर प्रशासन के समक्ष अपनी नाराजगी जताई। वार्ता में पुलिस उपाधीक्षक मनीष चंद्र लाल, अंचल अधिकारी राजू कमल, थाना प्रभारी गौतम रजवार, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, जेएलकेएम नेता राम पोदो महतो, इब्राहिम अंसारी और मुखिया नूतन पाहन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस को लेकर सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा नगर मंडल कमेटी भारतीय जनता पार्टी ने भंडारा का आयोजन किया।



गिरिडीह/ : गिरिडीह: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को लेकर सेवा संकल्प अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी नगर के कमेटी नगर के अध्यक्ष, नगर के मंडल अध्यक्ष गिरिडीह बस स्टैंड भोलेनाथ के मंदिर के प्रांगण में सिटू सिन्हा के नेतृत्व में भंडारा का आयोजन किया गया। काफी संख्या में श्रद्धालु और आवा गमन के यात्री लोग ने प्रसाद ग्रहण किया। भाजपा नेता विनय कुमार सिंह ने कहा 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को लेकर सेवा पखवाड़ा के रूप में पूरा देश मना रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के द्वारा लगातार सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा कार्यक्रम पूरे देश में चलाया जा रहा है। भंडारा का कार्यक्रम में बीजेपी नेता विनय कुमार सिंह, रंजीत कुमार राय, जयशंकर सिन्हा, दिनेश यादव, सुनील पासवान और मुकेश जालान और भाजपा के कई कार्यकर्ता लोग मौजूद रहे।

महासप्तमी पर मां दुर्गा की बारी लाने उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, जयकारों से गुंजा तोपचांची



- ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच पारंपरिक रीति-रिवाज से संपन्न हुई धार्मिक रस्म, भक्तिमय हुआ माहौल**

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची: महासप्तमी के पावन अवसर पर शनिवार को तोपचांची में मां दुर्गा की बारी लाने की पारंपरिक रस्म श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। मां दुर्गा की बारी लाने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दुर्गा मंदिर से सार्वजनिक तालाब तक भक्तों की भीड़ और मां के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच श्रद्धालु मां दुर्गा की भक्ति में लीन नजर आए। परंपरा के अनुसार, विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की बारी को पालकी में लाकर दुर्गा मंदिर पहुंचाया गया। इस दौरान स्थानीय श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया। बारी लाने की रस्म को लेकर सुबह से ही क्षेत्र में चहल-पहल बनी रही। मां के दर्शन और इस पारंपरिक आयोजन में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। आयोजन को सफल बनाने में दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी के सहयोग से पारंपरिक धार्मिक रस्म संपन्न हुई। महासप्तमी के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम ने तोपचांची में दुर्गापूजा के उत्साह को और बढ़ा दिया।

मोरहाबादी में रावण दहन की भव्य तैयारी, 70 फीट का रावण और 65 फीट का कुंभकर्ण होगा आकर्षण

इस बार लेजर शो और भव्य आतिशबाजी का रोमांच

- पंजाबी हिन्दू बिरादरी का रावण दहन : राम दरबार, जीवंत झांकियां और भांगड़ा नृत्य से सजेगी शाम**

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

रांची : राजधानी रांची में रावण दहन की परंपरा वर्ष 1948 में शुरू हुई थी। उस समय रांची कॉलेज के महात्मा गांधी मार्ग स्थित डाकघर के सामने परिसर में 12 फीट के रावण का पुतला बनाकर दहन किया गया था। धीरे-धीरे यह छोटा आयोजन शहर के प्रमुख धार्मिक

एवं सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल हो गया। पंजाबी हिन्दू बिरादरी की ओर से इस वर्ष भी मोरहाबादी मैदान में भव्य रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।आयोजकों के अनुसार, वर्ष 1950 से 1955 तक रावण के पुतलों का निर्माण रेलवे स्टेशन के पास खजुरिया तालाब स्थित रेस्ट कैप में किया जाता था, जबकि दहन बारी पार्क (टाउन हॉल) में होता था। बाद में पंजाबी हिन्दू बिरादरी के सदस्यों ने डोरंडा स्थित राम मंदिर में पुतलों का निर्माण शुरू कराया। बढ़ती भीड़ को देखते हुए



वर्ष 1960 से मोरहाबादी मैदान को आयोजन स्थल बनाया गया। समय के साथ रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों के साथ सोने की लंका बनाने की परंपरा भी शुरू हुई।इस वर्ष रावण का

पुतला 70 फीट, कुंभकर्ण का 65 फीट और मेघनाथ का 60 फीट ऊंचा होगा। वहीं, 30*30 फीट की दो मंजिला सोने की लंका बनाई जाएगी। रावण के पुतले का दहन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन,

कुंभकर्ण का दहन रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ और मेघनाथ का दहन रांची विधायक सीपी सिंह करेंगे।

कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों के साथ धनबाद के विक्की छाबड़ा की टीम श्रीराम दरबार, श्रीराम की जीवंत मूर्ति और रावण वध की जीवंत झांकी प्रस्तुत करेंगी। टाटा के सत्री ग्रुप द्वारा भांगड़ा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा कोलकाता की टीम द्वारा आकाशीय आतिशबाजी, बिहार के कलाकारों द्वारा जमीन पर आतिशबाजी और विशेष लेजर शो मुख्य आकर्षण होंगे। आयोजन स्थल पर राज

अस्पताल और पंजाबी हिन्दू बिरादरी की ओर से एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की जाएगी।बिरादरी के अध्यक्ष कुणाल अजमानी ने आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, अग्निशामन विभाग, सदर अस्पताल, जुड़को और मीडिया के सहयोग के लिए आभार जताया। महासचिव राजेश मेहरा ने रांची सहित आसपास के क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि बिरादरी इस आयोजन के माध्यम से विभिन्न समुदायों को जोड़ने का प्रयास करती है।

दुर्गा पूजा को लेकर अलर्ट प्रशासन, डीसी-एसपी ने पूजा पंडालों का लिया जायजा

- पंच मंदिर जमुआ और नायकडीह सहित विभिन्न पंडालों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों की ली जानकारी**

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम

रेम्बा/गिरिडीह। दुर्गा पूजा में सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। पूजा के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो और श्रद्धालु निर्भीक होकर मां दुर्गा का दर्शन कर सकें, इसे लेकर शनिवार को गिरिडीह के उपयुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार



ने जमुआ के प्रसिद्ध पंच मंदिर सहित विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पूजा की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक जानकारी ली।

निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने नायकडीह (बलैयाडीह, धुरैता मोड़) सहित विभिन्न पूजा स्थलों का दौरा किया। इस दौरान पूजा पंडालों में व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली गई। जिला प्रशासन का उद्देश्य दुर्गा पूजा

के दौरान क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

निरीक्षण के दौरान खरोमहुआ के अनुमंडल पदाधिकारी समीर रेनियर खलखो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, जमुआ प्रखंड विकास पदाधिकारी अमल कुमार, अंचल अधिकारी नरेश कुमार वर्मा, पुलिस इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार दास, हौरोडीह थाना प्रभारी महेश चंद्र, जमुआ प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव और धुरैता मुखिया प्रदीप सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पलौंजिया ठाकुरबाड़ी पहुंचे डीसी और एसपी, मां दुर्गा के दर्शन कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

- ठाकुरबाड़ी समिति ने अंगवस्त्र भेंट कर अधिकारियों को किया सम्मानित, पूजा पंडाल में व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण**

बिरनी/गिरिडीह। रफ्तार मीडिया संवाददाता श्याम मोदी।

दुर्गा पूजा के अवसर पर गिरिडीह के उपयुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार शनिवार को बिरनी प्रखंड के पलौंजिया ठाकुरबाड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और जिले में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान अधिकारियों ने पूजा पंडाल की व्यवस्थाओं और

चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा पंडाल में बनारस के आचार्यों ने की गंगा आरती के तर्ज पर दुर्गा स्तुति आरती

■ आज हनुमान अंस के गायक सुनील लोधी भजनों से करेंगे भक्तो को मंत्रमुग्ध

सौरभ रॉय/रफ़्तार मीडिया

रांची: राजधानी रांची में दुर्गा पूजा के अवसर पर भव्य पूजा पंडालो का निर्माण किया गया है वही एक से बढ़कर एक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी धूम देखी जा रही है। इसी क्रम में चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति की ओर से पूजा पंडाल परिसर में

गंगा आरती की तर्ज पर विशेष दुर्गा स्तुति आरती का आयोजन किया गया। बनारस से आए नौ आचार्यों की टीम ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आरती की शुरुआत की। इस दौरान पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

द्वारिकाधाम मंदिर की तर्ज पर निर्मित पूजा पंडाल मे भजनों की धुन ने लोगों का मन मोह लिया

द्वारिकाधाम मंदिर की तर्ज पर निर्मित भव्य पूजा पंडाल में मां दुर्गा की आराधना के लिए



पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस विशेष आयोजन का आनंद लिया। आरती की मनोरम प्रस्तुति और धार्मिक अनुष्ठान ने श्रद्धालुओं को

मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान कई श्रद्धालु अपने मोबाइल फोन में आरती के दृश्य कैद करते नजर आए। वहीं, कई लोगों ने

इस आयोजन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से अपने परिवार और परिचितों के साथ साझा किए।इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह ने भी मां दुर्गा के दरबार में आरती की। कार्यक्रम की शुरुआत में समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह और उपस्थित पदाधिकारियों ने बनारस से आए आचार्यों तथा भजन संध्या प्रस्तुत करने वाले कलाकारों का स्वागत और सम्मान किया।

सहदेव बेदिया के निधन पर श्राद्धकर्म के लिए परिवार को राशन सहयोग

संवाददाता - बबलु मुश्ताक

अनगड़ा : प्रखंड के नगरबेड़ा स्थित बक्सीडीह में स्वर्गीय सहदेव बेदिया के निधन पर उनके परिजनों को श्राद्धकर्म के लिए सहयोग प्रदान किया गया। श्री नीब करेरी ट्रस्ट, जगन्नाथधाम पुरी, ओडिशा के सौजन्य से ब्राह्मण भोज के लिए सूखा राशन उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रभुदयाल बड़ाईक ने शोकानुल परिवार को राशन सौंपकर सहायता की।इस पहल का उद्देश्य दुख की



घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करना और श्राद्धकर्म में सहयोग देना था। मौके पर ट्रस्ट के राष्ट्रीय समन्वयक सुमित घोष, सहयोगी कलेश्वर बेदिया तथा भाजपा सिरका बूथ अध्यक्ष जगेश्वर महतो

उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत सहदेव बेदिया के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को ढाढ़स बंधाया। इस सहयोग से परिवार को श्राद्धकर्म के आयोजन में मदद मिलेगी।

दुर्गा महादेव मंदिर पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू व केंद्रीय मंत्री संजय सेठ

माँ दुर्गा से की क्षेत्र की खुशहाली की कामना

- श्रद्धालुओं व गणमान्य लोगों ने अंगवस्त्र देकर किया भव्य स्वागत; क्षेत्र में सुख-शांति और भाईचारे की मांगी दुआ
 - केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने टेका माँ दुर्गा के दरबार में मत्था
 - भक्तिमय माहौल में गुंजे माँ दुर्गा के जयकारे, जनप्रतिनिधियों ने किया अभिनंदन
- रफ़्तार मीडिया



ओरमांडी: दुर्गा महादेव मंदिर परिसर में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का आगमन हुआ। मंदिर प्रांगण में पहुंचते ही उपस्थित गणमान्य नागरिकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों

एवं श्रद्धालुओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया।

दोनों विशिष्ट अतिथियों ने विधिवत माँ दुर्गा के दर्शन-पूजन किए और मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं उन्नति का आशीर्वाद माँगा। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर ‘जय माता दी’

के जयकारों से गुंज उठा और माहौल पूरी तरह भक्तिमय बन गया।

पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर समिति एवं स्थानीय प्रबुद्धजनों की ओर से दोनों अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी माँ भगवती से क्षेत्र में आपसी भाईचारा और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्थानीय मुखिया दीपक बड़ाइक, उप मुखिया संतोष गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

दुर्गा पूजा पर इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की दोहरी पहल

- कन्याओं को वस्त्र एवं फल वितरण के साथ स्वच्छता का दिया संदेश
- रफ़्तार मीडिया

गिरिडीह। दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला के नेतृत्व में बाभनटोली दुर्गा मंडप में कन्या सेवा एवं स्वच्छता जागरूकता के दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में गिरिडीह की मेयर प्रमिला मेहरा विशेष रूप से उपस्थित रहीं, जो क्लब की सम्मानित सदस्य भी हैं।

इस अवसर पर दुर्गा मंडप समिति के सचिव रिकू कुमार ने मेयर प्रमिला मेहरा को पौधा भेंट कर तथा रीता देवी ने माँ दुर्गा की शक्ति एवं नारी सम्मान के प्रतीक स्वरूप लाल चुनरी ओढ़ाकर



सम्मानित किया। कन्या सेवा के अंतर्गत लगभग 35 से 40 कन्याओं को मेयर प्रमिला मेहरा के हाथों प्रॉक, वस्त्र एवं फल वितरित किए गए। क्लब अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला ने कहा कि कन्याएँ माँ दुर्गा का स्वरूप हैं। उनका सम्मान, संरक्षण एवं उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही माँ की सच्ची आराधना है। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत चैबर ऑफ कॉमर्स के प्रेसिडेंट निर्मल झुनझुनवाला

के सौजन्य से दुर्गा मंडप में गीले एवं सूखे कचरे के लिए दो अलग-अलग डस्टबिन प्रदान किए गए, ताकि पूजा सामग्री एवं अन्य कचरे का व्यवस्थित संग्रह और उचित निस्तारण हो सके। साथ ही स्वच्छता जागरूकता संबंधी पैम्फलेट भी वितरित किए गए।

मेयर प्रमिला मेहरा एवं अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला ने गिरिडीहवासियों से अपील की कि पूजा पंडालों, मेलों एवं खाने-पीने

के स्टॉलों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें। कचरा खुले में न फेंकें और डस्टबिन का उपयोग करें, ताकि बच्चों, बुजुर्गों सहित सभी को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। स्वच्छता को केवल त्योहारों तक नहीं, बल्कि दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएँ।

कार्यक्रम में पास्ट प्रेसिडेंट सुमन गौरी सरिया, वाइस प्रेसिडेंट स्मृति आनंद, ट्रेजरर रश्मि गुप्ता, शशि जैन, सुनीता बर्णवाल, तनुजा भूषण, , किरण बर्णवाल, संगीता बसईवाला, उषा केडिया, मीना गुप्ता, पूनम केडीया सहित क्लब की अन्य सदस्याएँ एवं मां दुर्गा समिति बाभन टोली के उपाध्यक्ष निखिल झुनझुनवाला, वरुण झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष देबू यादव, अध्यक्ष दीपू यादव सदस्य दीपू कुमार, सोनू कुमार ,मंचू कुमार और बहुत से सदस्य उपस्थित थे।

धनबाद में हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल: स्टेशन कॉलोनी में ‘गुपचुप’ थीम पर सजा 10.50 लाख का भव्य पंडाल

गोवर्धन रजक रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद:कोयलांचल में शारदीय दुर्गा पूजा की धूम मची हुई है, जहां मां दुर्गा के स्वागत के लिए शहर में एक से बढ़कर एक आकर्षक पूजा पंडाल बनाए गए हैं। इन सबके बीच, धनबाद के स्टेशन कॉलोनी का दुर्गा पूजा पंडाल अपनी अनोखी सजावट और उससे भी बढ़कर हिंदू-मुस्लिम एकता की एक शानदार मिसाल पेश कर रहा है, जो पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक

स्टेशन कॉलोनी दुर्गापूजा समिति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस समिति में आधे सदस्य हिंदू समाज से और आधे मुस्लिम समाज से आते हैं। दोनों समुदायों के लोग पिछले कई वर्षों से कंधे से कंधा मिलाकर इस दुर्गात्सव का भव्य आयोजन



करते आ रहे हैं। यहां धर्म की सभी दीवारों से ऊपर उठकर आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का जीवंत संदेश दिया जा रहा है।

कमिटी के सदस्य मो.

अबजल खान, राजीव रंजन उर्फ पप्पू सिंह और मुन्ना सिंह बताते हैं कि पूजा की तैयारियों से लेकर पंडाल की सजावट तक की हर जिम्मेदारी दोनों समुदाय के लोग मिलकर निभाते हैं। ‘गुपचुप’ थीम और आदिवासी संस्कृति का अनूठा संगम

इस वर्ष स्टेशन कॉलोनी पूजा समिति द्वारा लगभग 10 लाख 50 हजार रुपये की लागत से भव्य

पंडाल और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। इस पंडाल की सजावट बेहद अनोखी और मनमोहक है:

गुपचुप थीम: पंडाल के अंदर के हिस्से को लोगों के बेहद पसंदीदा स्ट्रीट फूड यानी ‘गुपचुप’ की थीम पर अनूठे तरीके से तैयार किया गया है, जो दर्शकों को खूब भा रहा है।

आदिवासी संस्कृति की झलक: पंडाल के बाहरी प्रवेश द्वार को दुनिया भर के आदिवासी समुदायों की वेशभूषा और उनकी सांस्कृतिक विविधता को दर्शाने के लिए सजाया गया है।

स्थानीय कारीगरों की कलात्मकता और बेहतरीन लाइटिंग ने इस पंडाल की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं।

गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत तस्वीर

धनबाद के स्टेशन कॉलोनी का यह दुर्गा पूजा पंडाल यह साबित करता है कि त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि यह आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का भी सबसे बड़ा माध्यम हैं। यह गंगा-जमुनी तहजीब इस दुर्गाोत्सव की रीनक को और अधिक खास बना रही है।

धनबाद के पाण्डरपाला में मोबाइल टावर में लगी आग, शॉर्ट सर्किट से मची अफरा-तफरी; स्थानीय लोगों ने पाया काबू

गोवर्धन रजक रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद: शहर के पाण्डरपाला इलाके में शनिवार सुबह एक मोबाइल टावर में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सुबह करीब साढ़े आठ बजे टावर से अचानक धुएं का घना गुबार उठने लगा और देखते ही देखते आग की लपटें दिखने लगीं। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

टावर से उठती आग की लपटों को देखकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर एकत्र हो गए। गनीमत यह रही कि स्थानीय लोगों ने बिना वक्त गंवाए अपनी सूझबूझ का परिचय दिया। लोगों ने बालू, पानी और अन्य उपलब्ध संसाधनों की मदद से



कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। स्थानीय लोगों की इस तत्परता के कारण आग आसपास के रिहायशी घरों तक नहीं फैल सकी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।शॉर्ट सर्किट की आशंका, टावर कंपनी कर रही है नुकसान का आकलन

घटना की शुरुआती वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मोबाइल टावर कंपनी के अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है।

कंपनी की तकनीकी टीम मौके पर पहुंचकर आग लगने के कारणों की जांच कर रही है और उपकरणों को हुए नुकसान का आकलन करने में जुटी है। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आग की सही वजह और कुल क्षति का आंकड़ा स्पष्ट हो सकेगा।

रांची: राजधानी रांची के कांके रोड स्थित हातमा में दुर्गा पूजा के अवसर पर शनिवार को हातमा दुर्गा पूजा समिति के भव्य पूजा पंडाल का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस दौरान रांची विधायक सीपी सिंह, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय शाह, भाजपा नेता शंकर दुबे, वार्ड संख्या 2 की पार्षद सविता कच्छप, भाजपा नेता विकास रवि और अर्चना मिर्धा समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। इस दौरान पूजा समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

पूजा पंडाल के उद्घाटन के बाद समिति के साथ साथ भक्तो के बीच उत्साह

उद्घाटन समारोह को लेकर पूजा समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला।समिति की ओर से दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं।इस अवसर पर पूजा समिति के



अध्यक्ष करण नायक ने बताया कि एक वर्ष

के इंतजार के बाद माँ दुर्गा का आगमन हम सभी के बीच हुआ है इस महत्वपूर्ण छन को बेहतरीन बनाने के लिए हातमा दुर्गा पूजा समिति तत्पर है इस वर्ष विद्युत साज सजा की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

इनकी रही उपस्थिति

पूजा प्रभारी बबन पासवान, कार्यकारी अध्यक्ष राज मिर्धा, उपाध्यक्ष अमन राम एवं मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष कृष्णा पासवान, उपकोषाध्यक्ष राहुल उरांव, महासचिव विक्की रावत तथा सह सचिव अजय लोहरा और रोहित लोहरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में समिति के संरक्षक एवं सदस्यों के रूप में बसंत टोप्पो, विनोद सिंह, निरंजन पासवान, झूलन राम, राजेंद्र नायक, लक्ष्मण राम, राजू राम, सुदर्शन वर्मा, संतोष रवि, शंकर राम, पंकु पासवान, अमित कश्यप, नीरज वर्मा, साहिल कुमार, लोगी ने बालू, पानी और अन्य उपलब्ध संसाधनों की मदद से

टावर से उठती आग की लपटों को देखकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर एकत्र हो गए। गनीमत यह रही कि स्थानीय लोगों ने बिना वक्त गंवाए अपनी सूझबूझ का परिचय दिया। लोगों ने बालू, पानी और अन्य उपलब्ध संसाधनों की मदद से

शारदीय नवरात्र की सप्तमी पर निकाली गई भव्य पालकी यात्रा, पट खुलते ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

राजधनवार : शारदीय नवरात्र की सप्तमी पर शनिवार को सार्वजनिक दुर्गा पूजा महासमिति राजधनवार के तत्वाधान में राजधनवार सार्वजनिक दुर्गा मंडप प्रांगण से गाजे - बाजे, ढोल नगाड़े व मां दुर्गा की आकर्षक झांकी के साथ मां दुर्गा की भव्य पालकी यात्रा

निकाली गई। पालकी यात्रा में गीत - संगीत व ढोल नगाड़ों के बीच महिला, पुरुष व बच्चे पूरे उत्साह के साथ माता के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यह पालकी यात्रा पूरे बाजार का भ्रमण करते हुए बेलभरनी तालाब पहुँची और पूरे विधि विधान पूर्वक पुजा पाठ करते हुए माता का अह्वान कर माता को पालकी में विराजमान कर मंडप में



लाया गया। जहाँ पंडित धमेन्द्र शास्त्री तथा उपेन्द्र शास्त्री के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्रतिमा संकल्प पूजन कराया गया जिसमें वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार सपलीक शामिल हुए। इसके बाद मुख्य यजमान किशोरी लाल चौरसिया सहित कई श्रद्धालुओं ने माता की पुजा अर्चना भक्ति भाव के साथ की। पूजा संपन्न होने के

बाद मंडप का पट को खोला गया। पट खुलते ही माता की दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इधर धनवार नगर पंचायत अध्यक्ष विनय संथालिया, गिरिडीह रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन अरविन्द कुमार, भाजपा नेता पवन साव, नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि नंदन कुमार, वार्ड पार्षद कंचन कुमारी आदि गणमान्य लोगों



ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़ कर पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। यात्रा में पूजा समिति अध्यक्ष अमीत कुमार, उपाध्यक्ष महेन्द्र स्वर्णकार, सचिव संतोष साहू, उपसचिव उतम कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष सचिन कुमार साहू, विजय कसेरा, शंभू रजक, रोशन लाल सुमन, विक्रान्त कसेरा,

वासुदेव साव, रोहीत कसेरा, रौशन लाल सुमन, कृष्णा स्वर्णकार, शक्ती स्वर्णकार, दीपक सिन्हा, छोटू भदानी, संजय कुमार, अमित साव, सोनी देवी, रंजू देवी, संगीता देवी, सुनीता देवी, सुजाता देवी, प्रभा देवी, रेणु देवी, पम्मी देवी, पूजा कुमारी, मुस्कान कुमारी, साक्षी कुमारी सहित सैकड़ों श्राद्धलु शामिल थे।

नवपत्रिका आगमन के साथ शुरू हुई मां दुर्गा की पूजा, दर्शन को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शहर से गांव तक भक्तिमय माहौल, प्रदीप प्रसाद ने कई पूजा पंडालों का किया उद्घाटन



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नवपत्रिका आगमन के साथ ही हजारीबाग जिले में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। शनिवार को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक दुर्गा पूजा की धूम देखने को मिली। मां के दर्शन के लिए

विभिन्न पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूजा पंडालों में गुंजते मां के जयकारों, शंख ध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। पूजा पंडालों को



आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी, भव्य सजावट और मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। सुबह से ही महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और युवाओं में पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। वहीं, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने विभिन्न पूजा पंडालों में पहुंचकर

उनका उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। पूजा समितियों की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। नवपत्रिका आगमन के साथ ही जिले में दुर्गासत्त्व की रौनक बढ़ गई है। आने वाले दिनों में पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

सप्तमी पर खुले मां दुर्गा के पट, पूजा पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मांडर। मांडर और चान्हो प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र की सप्तमी के अवसर पर मां दुर्गा के पट खुलते ही पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। पट खुलने के साथ ही भक्तों का पंडालों में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। मांडर और चान्हो क्षेत्र में मांडर शिव मंदिर, खुखरा सेल, टीको, बाब्वे, मुड़मा, सोसई महावीर मंदिर, बीजूपाड़ा, चान्हो, सोंस, ओपा और चोरेया समेत विभिन्न



स्थानों पर भव्य पूजा पंडाल बनाकर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। आकर्षक पंडालों और रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा ने श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा। नवरात्र के दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में ढूबा हुआ है। वहीं, दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने

के लिए पुलिस प्रशासन भी सतर्क है। पुलिस की ओर से लगातार फ्लैग मार्च कर क्षेत्र का भ्रमण किया जा रहा है। साथ ही पूजा पंडालों और आसपास के इलाकों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण माहौल में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर सकें।

धनबाद में मिलावटखोरी पर बड़ा एक्शन : त्योहारी सीजन में चार ठिकानों पर छापेमारी, 1400 किलो संदिग्ध पनीर जब्त

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : दुर्गा पूजा और दीपावली जैसे पावन त्योहारों के बीच यदि आप बाजार से पनीर या उससे बनी मिठाइयां खरीदने जा रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। त्योहारी सीजन में पनीर की बढ़ती मांग का फायदा उठाकर मिलावट करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को शहर में एक साथ चार अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर करीब 1400 किलो संदिग्ध पनीर बरामद किया गया है। इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। **चार ठिकानों पर एक साथ हुई छापेमारी** त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट की मिल रही गुप्त सूचनाओं के आधार पर, फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ. राजा कुमार के नेतृत्व में विभाग की टीम ने



शहर के चार ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। पुलिस लाइन के समीप और कार्मिक नगर सहित विभिन्न इलाकों में घरों के अंदर बड़े पैमाने पर पनीर का स्टॉक जमा करके रखा गया था। विभाग को सूचना मिली थी कि

अन्य राज्यों से भारी मात्रा में पनीर मंगाकर शहर के गुप्त ठिकानों पर डंप किया जा रहा है, ताकि त्योहारों के बाजार में इसकी सप्लाई की जा सके। टीम ने तत्परता दिखाते हुए सारा स्टॉक जब्त कर लिया और हिरासत में

लिए गए तीनों लोगों को जब्त पनीर के साथ धनबाद थाना भेज दिया। **प्रयोगशाला जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थिति** फिलहाल सुरक्षाअती जांच में जब्त पनीर की गुणवत्ता को लेकर गंभीर

संदेह जताया गया है, हालांकि इसमें किसी हानिकारक रसायन की मिलावट की पुष्टि अभी नहीं हुई है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा पनीर के नमूने (सैंपल) लेकर उन्हें प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी वास्तविक शुद्धता और मिलावट की स्थिति पूरी तरह साफ हो सकेगी। **त्योहारों पर सेहत से खिलवाड़, बरतें सावधानी** एक साथ चार ठिकानों से भारी मात्रा में संदिग्ध पनीर मिलने से त्योहार के इस माहौल में खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और गुणवत्ता पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। विभाग के यह कार्रवाई फिलहाल जारी है। ऐसे में आम जनता से अपील की जाती है कि त्योहारी खरीदारी के दौरान पूरी तरह सतर्क रहें, क्योंकि थोड़ी-सी भी लापरवाही आपको और आपके परिवार की सेहत पर भारी पड़ सकती है।

दुर्गार्पूजा में सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, पूजा समितियों के लिए जारी हुए दिशा-निर्देश

पंडालों में सीसीटीवी, अग्निशमन उपकरण और अलग-अलग प्रवेश-निकास द्वार की व्यवस्था अनिवार्य

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग : दुर्गार्पूजा के दौरान शांति, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर हजारीबाग ने पूजा समितियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 11 से 20 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले दुर्गार्पूजा महोत्सव में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। निर्देश के अनुसार, पूजा पंडालों में ज्वलनशील पदार्थों के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त रोशनी, बैरिकेडिंग तथा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रवेश एवं निकास द्वार की व्यवस्था



करनी होगी। भीड़ नियंत्रण के लिए पहचान-पत्रधारी स्वयंसेवकों की तैनाती भी अनिवार्य की गई है। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन उपकरण और वैकल्पिक बिजली व्यवस्था रखने का निर्देश दिया गया है। पार्किंग की व्यवस्था पंडालों से उचित दूरी पर करने तथा यातायात नियंत्रण के लिए संबंधित थाना प्रभारी से समन्वय स्थापित करने को

कहा गया है। प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन करने और रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर नहीं बजाने का निर्देश दिया है। साथ ही, हथियारों पर प्रतिबंध और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले गीतों एवं वक्तव्यों से बचने की हिदायत दी गई है। प्रशासन ने सभी समितियों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में पूजा संपन्न कराने की अपील की है।

धनबाद (रफ़्तार मीडिया संवाददाता) : शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में धनबाद के पूर्वी टुंडी अंचल के विभिन्न पूजा पंडालों का प्रशासनिक एवं पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। इस विशेष निरीक्षण अभियान का नेतृत्व अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल अंचल निरीक्षक चंदन कुमार और सहायक अवर निरीक्षक विनय कुमार पाण्डेय ने पुलिस बल के साथ मिलकर किया। **बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा उपकरणों की जांच:-** निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम ने क्षेत्र के चारों प्रमुख पूजा पंडालों का जायजा लिया। इस दौरान पंडालों में सुरक्षा प्रबंधों, श्रद्धालुओं के आने-जाने के रास्तों (एंट्री और एग्जिट), सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता, अग्निशमन (फायर सेफ्टी) के पुख्ता इंतजाम, बिजली की सुरक्षित वायरिंग और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की गहनता से जांच की गई। **पूजा समितियों को दिए गए कड़े निर्देश:-** अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने सभी पूजा समितियों के पदाधिकारियों को सरकार और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुनिश्चित करना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और पूरा पर्व शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो। इसके साथ ही, पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों को मेले के दौरान असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या स्थिति दिखने पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना देने की सख्त हिदायत दी है। प्रशासन के इस औचित्य निरीक्षण से आयोजकों में भी सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता देखी जा रही है।

गांडेय में महासप्तमी पर खुले मां दुर्गा के पट, जयकारों से गूंज उठे मंदिर और पंडाल

बेलभरणी पूजा के बाद विधि-विधान से पिंड पर विराजमान हुई मां दुर्गे

दर्शन व पूजन के लिए सुबह से ही उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

गांडेय : शारदीय नवरात्रि की महासप्तमी तिथि के साथ ही गांडेय और इसके आस-पास का पूरा ग्रामीण इलाका पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। शनिवार को पंडालों,दुर्गा मंदिरों और विभिन्न पूजा पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जैसे ही मां दुर्गा के पट खोले गए, पूरा क्षेत्र 'जय माता दी' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। पट खुलते ही माता के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों का भारी हुजूम उमड़



पड़ा। धार्मिक परंपरा और विधि-विधान के तहत महासप्तमी पर विशेष बेलभरणी पूजा संपन्न कराई गई। इससे पूर्व षष्ठी की संंध्या बेलभरणी के आमंत्रण के उपरांत शनिवार की सुबह मां का



भंडारीडीह, बुधुडीह और पुतरिया समेत तमाम पूजा स्थलों पर सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। दिनभर चले वैदिक अनुष्ठानों के उपरांत दोपहर में विशेष पूजा

रहा। गांडेय दुर्गा मंदिर पुजारी अमृतलाल पाठक ने कहा की महासप्तमी का दिन विशेष फलदायी माना जाता है। शास्त्रीय विधान के अनुसार बेलभरणी अनुष्ठान के साथ माता का आह्वान कर उन्हें उनके आसन पर स्थापित किया गया है। क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना के साथ पूजा संपन्न कराई जा रही है। संकेत कुमार गुप्ता ने कहा पट खुलते ही माता के दिव्य दर्शन पाकर मन तुल हो गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी गांडेय के पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं का भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। सभी भक्त पूरे श्रद्धाभाव से मां के चरणों में शीश नवा रहे हैं।

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक पर बड़ा सवाल, नियमों की अनदेखी का आरोप

मसुरिया उच्च विद्यालय में बैठक को लेकर शिकायत से मचा हड़कंप, जांच की मांग

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

पलामू : पलामू मसुरिया उच्च विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बैठक की प्रक्रिया और सदस्यों की भागीदारी को लेकर शिकायत सामने आने के बाद विद्यालय की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। 13 अक्टूबर 2026 को हुई बैठक को लेकर दिए गए आवेदन में बैठक की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पालन किया जाना जरूरी है, लेकिन इस मामले में कई बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

बैठक हुई तो प्रक्रिया कितनी पारदर्शी रही? विद्यालय प्रबंधन समिति में अभिभावकों और संबंधित सदस्यों की भागीदारी का विशेष महत्व है। ऐसे में बैठक को लेकर उठी शिकायत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या बैठक की सूचना सभी संबंधित लोगों को समय पर दी गई थी? क्या निर्धारित सदस्यों की मौजूदगी में बैठक हुई? क्या बैठक की पूरी प्रक्रिया नियमों के अनुसार पूरी की



गई? इन सवालों का जवाब अब जांच के बाद ही सामने आएगा।
शिकायत ने बढ़ाई विभाग की जवाबदेही मामले को लेकर 14 अक्टूबर 2026 को संबंधित शिक्षा विभाग के समक्ष आवेदन देकर जांच की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने जांच के बाद यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना यह है कि शिक्षा विभाग इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या पूरे मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाता है। फिलहाल मामला शिकायत और आरोपों के स्तर पर है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षा विभाग का पक्ष सामने आने के बाद तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी।

दुर्गा पूजा को लेकर बालूमाथ में निकला फ्लैग मार्च, पुलिस ने दिया सुरक्षा का भरोसा

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

बालूमाथ। दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शनिवार को बालूमाथ में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर छठ तालाब, जिला परिषद बस स्टैंड, गालिव कॉलोनी, तेली टोला और महावीर मंदिर होते हुए वापस थाना परिसर पहुंचा। इस दौरान एसडीपीओ उमेश कुमार सिंह ने कहा कि दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है और लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। वहीं, थाना प्रभारी अनुभव सिन्हा ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शांति भंग करने या त्योंहार में



बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांति के साथ त्योंहार मनाने की अपील की। साथ ही किसी भी तरह की समस्या या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। फ्लैग मार्च में

शारदीय नवरात्र महासप्तमी: शिकारीपाड़ा में बारी लाने के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

पुरोहित तपन भट्टाचार्य ने कराई सप्तमी की विधि-विधान से पूजा

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

शिकारीपाड़ा /दुमका : शारदीय नवरात्र की महासप्तमी के पावन अवसर पर शनिवार को शिकारीपाड़ा में भक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। महासप्तमी पर मां दुर्गा के भव्य स्वागत और पूजन की तैयारियों के तहत शिकारीपाड़ा सार्वजनिक मंदिर से बड़ा तालाब तक भव्य शोभायात्रा के साथ 'बारी' लाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह होते ही हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे पारंपरिक उल्लास के साथ शिकारीपाड़ा सार्वजनिक मंदिर में एकत्र हुए। यहां से विधि-विधान और मंत्रोच्चार के बीच 'बारी' लाने के लिए प्रस्थान किया गया। बड़ा तालाब पहुंचकर पूरी निष्ठा और वैदिक परंपरा के साथ पूजा-अर्चना संपन्न की गई, जिसके बाद पवित्र 'बारी' को मंदिर लाया गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में मां दुर्गा के जयकारों और पारंपरिक 'ढाक' की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। 'झारा वारा' में जल अर्पित करने और बारी लाने की रस्म के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था।

कोई इस धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बनने के लिए अत्यंत उत्सुक नजर आया। बारी और 'झारा वारा' लाने की रस्म पूरी होने के पश्चात मंदिर परिसर में विधिवत महासप्तमी की मुख्य पूजा शुरू हुई। पुरोहित तपन



भट्टाचार्य ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महासप्तमी की पूजा संपन्न कराई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां दुर्गा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पूजा समिति के सदस्य पूरी तरह मुस्तैद दिखे, जिससे सभी अनुष्ठान शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न हुए।

जिलेभर के पूजा पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : जामताड़ा जिलेभर में शारदीय दुर्गा पूजा का शुभारंभ पूरे भक्तिभाव और धार्मिक उत्साह के साथ हो गया है। शनिवार को महा सप्तमी के अवसर पर विभिन्न पूजा पंडालों और दुर्गा मंदिरों में विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की पूजा-

अर्चना शुरू हुई। सुबह से ही पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। मां दुर्गा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जामताड़ा शहर के बीच बाजार,गांधी मैदान, दुमका रोड, साहना, सरखेलडीह, चाकड़ी, गायछान्द, कायस्थपाड़ा, स्थित दुर्गा मंदिर सहित विभिन्न पूजा



पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूजा समितियों की ओर से पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी और मनमोहक सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कई स्थानों पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान



रहे हैं। श्रद्धालु मां के चरणों में शीश झुकाकर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन भी सक्रिय है। अधिकारियों की ओर से शहर के विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को

किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो और पूजा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। जिलेभर में दुर्गा पूजा शुरू होने के साथ ही धार्मिक और उत्सवी माहौल बन गया है। आने वाले दिनों में अष्टमी, नवमी और विजयादशमी के अवसर पर पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है।

समाचार सार

रघुवर दास का बोंगावार में भव्य स्वागत, महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर



कुजु (रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। रांची से मांडू जाने के क्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का बोंगावार स्थित जेपी रेस्टोरेंट के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। रामगढ़ जिला भाजपा महामंत्री जगेश्वर प्रजापति के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह में पार्टी के कई कार्यकर्ता एवं महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पूर्व मुख्यमंत्री का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री के प्रति सम्मान एवं आत्मीयता व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। मौके पर रघुवर दास ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं से एकजुट रहने और महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूक बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की एकजुटता और जागरूकता समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्वागत समारोह में सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी, संजय शाह, राजीव जायसवाल, प्रकाश केशरी, परमेश्वर केशरी, सुखदेव सोनी, फूल कुमारी, डिंपल प्रजापति, मंजू देवी, कौशल्या देवी और मानसरी देवी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण, सेवा भाव की दिखी मिसाल



लातेहार(रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर वन-सह-प्रखंड परिसर, चंदनडीह में आयोजित कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के बीच देहेज मुक्त संस्था के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पत्रकार बब्लू खान, उनकी पत्नी तथा संस्था की लातेहार जिला अध्यक्ष अधिवक्ता अस्मिता एक्का और रौशन की ओर से प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच श्रद्धापूर्वक प्रसाद बांटेकर सेवा और समर्पण का संदेश दिया गया। कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र माता रानी के जयकारों से भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं की भागीदारी और धार्मिक उत्साह के बीच प्रसाद वितरण कर लोगों के प्रति सम्मान और आस्था प्रकट की गई। बब्लू खान, अधिवक्ता अस्मिता एक्का एवं रौशन की इस पहल की सराहना की जा रही है। धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सेवा और प्रसाद वितरण भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है। ऐसे कार्य समाज में आपसी सद्भाव, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

जामताड़ा में दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन सक्रिय, एसडीओ सहित अन्य अधिकारियों ने लिया पंडालों का जायजा



जामताड़ा (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): दुर्गा पूजा के अवसर पर शनिवार को जामताड़ा के अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार के नेतृत्व में शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने दुमका रोड स्थित दुर्गा मंदिर सहित शहर के सभी पूजा पंडालों का दौरा किया और मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ अनंत कुमार ने पूजा पंडालों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न पूजा स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पूजा समितियों की ओर से की गई तैयारियों और श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं को भी देखा गया।एसडीओ के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारीअबोश्वर मुर्मू सहित अन्य अधिकारी एवं संबंधित लोग मौजूद थे। अधिकारियों ने विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण कर पूजा की गतिविधियों का जायजा लिया। दुर्गा पूजा के दौरान शहर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में प्रशासन की ओर से पूजा स्थलों का निरीक्षण किया जाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य त्योंहार के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में सहयोग करना है।

मेड़िया गांव में नवपत्रिका के आगमन व पारंपरिक स्नान के साथ मां दुर्गा की सप्तमी पूजा शुरू



जामताड़ा (रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। श्रीश्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति मेड़िया की ओर से शनिवार को नवपत्रिका के आगमन और पारंपरिक स्नान के साथ मां दुर्गा की सप्तमी पूजा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर धार्मिक परंपराओं के अनुसार नदी तट से कलश यात्रा निकाली गई। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच नवपत्रिका को मंदिर लाया गया। इसके बाद विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। इस अवसर पर संहिता के महासचिव भागीरथ पंडित ने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था, खुशी और आपसी भाईचारे का पर्व है। यह त्योंहार लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने मां दुर्गा से समस्त ग्रामीणों, पंचायतवासियों और जामताड़ा जिले के लोगों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वहीं समिति के सदस्य सुभाष मिश्रा ने कहा कि दुर्गा पूजा हमारी पारंपरिक संस्कृति और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। इस पर्व से लोगों में उत्साह, श्रद्धा और भक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि पूजा के माध्यम से हमारी पुरानी परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत भी जीवंत बनी रहती हैं। सप्तमी पूजा के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला। पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और मां दुर्गा के समक्ष माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर समिति के अध्यक्ष देव शरण मुर्मू, मुखिया मिरुदी सोरेन, पूर्व मुखिया कमली देवी, पुजारी आशीष चक्रवर्ती, तपन चक्रवर्ती सहित समिति के सदस्य और सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

संपादकीय

जब इतना अनाज है तो इतने पेट खाली क्यों ?

दुनिया में इतना अनाज पैदा होता है कि हर इंसान का पेट भरा जा सकता है, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों लोग आज भी भूख का सामना कर रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो चाहकर भी पौष्टिक भोजन नहीं खरीद पाते। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दुनिया में अनाज और खाद्य पदार्थों की कमी नहीं है, तो आखिर हर व्यक्ति की थाली तक पौष्टिक भोजन क्यों नहीं पहुंच पा रहा है ? इसी चुनौती का जवाब खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की उस रिपोर्ट में तलाशा जाना चाहिए, जिसका संदेश है, "आज नवाचार करें, कल को समृद्ध बनाएं।" इसका उद्देश्य ऐसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा देना है, जो आज लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को भी सुरक्षित रखें। एफएओ के मुताबिक, दुनिया में लगभग 64 करोड़ लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जबकि 2.69 अरब लोग पौष्टिक आहार खरीदने में असमर्थ हैं। संघर्ष, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के कारण यह चुनौती और गंभीर हो रही है। ऐसे में केवल अधिक भोजन पैदा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे सही तरीके से लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी है। खाद्य

व्यवस्था को बेहतर बनाने में नवाचार की अहम भूमिका है। आज तकनीक की मदद से खेती, खाद्य पदार्थों के भंडारण, परिवहन और बाजार तक पहुंचने के तरीकों में बदलाव लाया जा सकता है। किसानों को डिजिटल माध्यम से मौसम, फसलों और खेती से जुड़ी जरूरी जानकारी दी जा सकती है। बेहतर बीज, नई कृषि तकनीक और पानी व जमीन का सही इस्तेमाल भी उत्पादन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही पारंपरिक खेती के अनुभवों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ना भी जरूरी है। किसान, मछुआरे, पशुपालक और वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदाय अपने अनुभवों से खाद्य व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने में योगदान दे सकते हैं। खासतौर पर महिलाओं और युवाओं को भागीदारी इस दिशा में नए अवसर पैदा कर सकती है। भूख और कुपोषण से निपटना किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए सरकारों, निजी कंपनियों, किसानों, वैज्ञानिकों और आम लोगों को मिलकर काम करना होगा। सरकारें कृषि अनुसंधान में निवेश करके, ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाएं बढ़ाकर और किसानों के लिए बेहतर नीतियां बनाकर मदद कर सकती हैं।



इतिहास

क्या-क्या हुआ

- कलकत्ता उच्च न्यायालय की स्थापना (1940): महान स्वतंत्रता सेनानी शरद चंद्र बोस को कलकत्ता उच्च न्यायालय में फिर से वकालत करने की अनुमति मिली थी, जो उस समय के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ी घटना थी।
- मदर टेरेसा को नोबेल पुरस्कार (1979): मानवता की सेवा के लिए समर्पित मदर टेरेसा को शांति के नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया था।
- राजा राम मोहन राय की इंग्लैंड यात्रा (1830): भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत राजा राम मोहन राय भारत से इंग्लैंड के लिए रवाना हुए थे, जो किसी भारतीय समाज सुधारक की पहली बड़ी विदेश यात्राओं में से एक थी।
- अनिल कुंबले का कीर्तिमान (2008): भारतीय लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने टेस्ट क्रिकेट में 619 विकेट पूरे किए और इसी श्रृंखला के दौरान अपने संन्यास की घोषणा की थी।
- सैयद अहमद खान का जन्मदिन (1817): अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान शिक्षाविद् सर सैयद अहमद खान का जन्म दिल्ली में हुआ था।
- आर. के. नारायण का जन्मदिन (1906): काल्पनिक शहर 'मालगुडी' के रचयिता और प्रसिद्ध भारतीय अंग्रेजी लेखक आर. के. नारायण का जन्म हुआ था।
- अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस: संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल 17 अक्टूबर को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- पहला सिंथेटिक फाइबर पेटेंट (1938): बहुराष्ट्रीय कंपनी ड्यूपॉन्ट ने 'नायलॉन' नाम के पहले पूरी तरह से सिंथेटिक फाइबर का पेटेंट कराया, जिसने कपड़ा उद्योग को बदल दिया।
- अल्बर्ट आइंस्टीन का अमेरिका आगमन (1933): जर्मनी में नाजी शासन के उभार के बाद महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन शरणार्थी के रूप में हमेशा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका आ गए थे।
- ओपेक तेल संकट (1973): अरब तेल उत्पादक देशों ने योम किपुर युद्ध में इजरायल का समर्थन करने वाले पश्चिमी देशों के खिलाफ तेल प्रतिबंध लगाने की घोषणा की, जिससे वैश्विक आर्थिक संकट पैदा हो गया।
- सैन फ्रांसिस्को भूकंप (1989): अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में 6.9 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था, जिसे 'लोमा प्रिण्टा भूकंप' कहा जाता है। इसमें भारी जान-माल का नुकसान हुआ था।

कविता

आनन्दानुभूति

आनंद की अनुभूति में
डूबा है मेरा अन्तःकरण
जीवन का आधार है मेरा
साहित्य- कला- संगीत
त्रिवेणी का मधुर संगम।

जब जब मन बोझिल
सांसों में बहती सरगम
हर्ष आनंद की लहरें
बाहों का करती आलिंगन
उजियारे से पाटती आंगन।

साहित्य- कला -संगीत
मेरी जिंदगी के सच्चे मीत
हर लम्हे मेरे संग रहते
अवसाद की नदी से निकाल
सुख की नदी में नहलाते।

कलम- कुंची -वाद्य यंत्रों से
रंग सुनहर भर रहा हूं मैं
वरदान मिला प्रभू जी का
गोद में खिलखिला रहा हूं मैं
अबोध मासूमियत लिए जन्मों से



लालबहादुर श्रीवास्तव
लेखक



डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत को ऐसी नीति
अपनानी चाहिए जो दूरस्थ
क्षेत्रों तक किफायती
इंटरनेट पहुँचाए, निवेश
और नवाचार को
प्रोत्साहित करे तथा सुरक्षा
संबंधी चिंताओं का प्रभावी
समाधान भी प्रस्तुत करे।
पारदर्शी नियामन,
तकनीकी आत्मनिर्भरता,
जवाबदेह निगरानी और
अंतरराष्ट्रीय सहयोग के
माध्यम से ही भारत
डिजिटल प्रगति को अपनी
राष्ट्रीय सुरक्षा के अनुरूप
आगे बढ़ा सकता है।



स्वदेश कुमार

सामान्य धाराओं की वजह
से कानूनी प्रक्रिया में
कठिनाई आ जाती है।
सर्वोच्च न्यायालय ने अपने
कुई ऐतिहासिक फैसलों,
जैसे कि श्रेया सिंघल बनाम
भारत संघ मामले में, यह
स्पष्ट किया है कि केवल
अप्रिय या विवादास्पद
बयान देना अपराध नहीं है,
जब तक कि वह सीधे तौर
पर हिंसा भड़काने या
सार्वजनिक व्यवस्था को
गंभीर रूप से बाधित करने
का कारण न बने।

लोक मुद्दा

स्टारलिनक की दस्तक और भारत की रणनीतिक चिंताएँ

एलन मस्क द्वारा भारत में स्टारलिनक की शुरुआत में हो रही देरी पर आलोचना ने उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाओं के नियमन को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यह बहस केवल किसी निजी कंपनी को भारतीय बाजार में प्रवेश देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, डेटा संप्रभुता, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और संचार व्यवस्था पर सरकार के नियंत्रण जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं। भारत जैसे विशाल और भौगोलिक विविधता वाले देश में उपग्रह इंटरनेट डिजिटल विभाजन को कम करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है, लेकिन इसके साथ जुड़े सुरक्षा जोखिमों की अनदेखी नहीं की जा सकती। उपग्रह इंटरनेट का प्रश्न केवल तकनीक या व्यापार का प्रश्न नहीं, बल्कि डिजिटल अधिकारों, राष्ट्रीय संप्रभुता और आंतरिक सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती है।

एलन मस्क द्वारा भारत में स्टारलिनक की शुरुआत में हो रही देरी पर आलोचना ने उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाओं के नियमन को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यह बहस केवल किसी निजी कंपनी को भारतीय बाजार में प्रवेश देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, डेटा संप्रभुता, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और संचार व्यवस्था पर सरकार के नियंत्रण जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं।

स्टारलिनक जैसी सेवाएँ पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट उपलब्ध कराती हैं। इनकी सहायता से दूरस्थ गाँवों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपों और सीमावर्ती इलाकों तक कनेक्टिविटी पहुँचाई जा सकती है, जहाँ पारंपरिक दूरसंचार अवसंरचना स्थापित करना कठिन और महँगा होता है। हालाँकि, इन सेवाओं की वैश्विक प्रकृति, पोर्टेबल टर्मिनलों और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता के कारण नियामक संस्थाओं के सामने नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं।

सबसे प्रमुख चुनौती आतंकवादी गतिविधियों में संभावित दुरुपयोग की है। दूरदराज के क्षेत्रों में सक्रिय आतंकवादी संगठन या अन्य गैर-राज्यीय तत्व उपग्रह संचार प्रणालियों का उपयोग अपनी गतिविधियों के समन्वय के लिए कर सकते हैं। मणिपुर में वर्ष 2024 के दौरान स्टारलिनक-ब्रांडेड उपकरण मिलने की खबरों ने इस आशंका को चर्चा में ला दिया था। हालाँकि, किसी उपकरण की बरामदगी अपने आप में उसके वास्तविक उपयोग या किसी संगठन से उसके संबंध का निर्णायक प्रमाण नहीं है। इसलिए सुरक्षा आकलन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं और तकनीकी जाँच पर आधारित होना चाहिए।

दूसरी चुनौती सीमा पार अपराध और तस्करी से संबंधित है। भारत की लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ, विस्तृत समुद्री क्षेत्र और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ सुरक्षा एजेंसियों के लिए पहले से ही चुनौतीपूर्ण हैं। यदि उपग्रह इंटरनेट टर्मिनलों का उपयोग अवैध गतिविधियों के समन्वय में किया जाता है, तो अपराधियों की पहचान और उनके संचार की जाँच कठिन हो सकती है। अंडमान क्षेत्र में वर्ष 2024 में मादक पदार्थों की बरामदगी के संदर्भ में स्टारलिनक उपकरणों की चर्चा भी हुई थी। ऐसे मामलों

में उपकरणों की वास्तविक भूमिका की पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि केवल उनकी मौजूदगी से तस्करी और उपग्रह नेटवर्क के बीच प्रत्यक्ष संबंध सिद्ध नहीं होता। तीसरी चुनौती डेटा संप्रभुता और विदेशी नियंत्रण की है। उपग्रह नेटवर्क का संचालन, तकनीकी प्रबंधन और डेटा-संबंधी कुछ प्रक्रियाएँ भारत से बाहर नियंत्रित हो सकती हैं। इससे यह प्रश्न उठता है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं के संचार संबंधी आँकड़ों पर किसका नियंत्रण होगा, उनका प्रसंस्करण कहाँ किया जाएगा और भारतीय कानूनों के अंतर्गत आवश्यक सूचनाओं तक पहुँच कैसे सुनिश्चित होगी। यदि इन विषयों पर स्पष्ट नियम नहीं होंगे, तो जाँच एजेंसियों और नियामकों के लिए अपने कानूनी अधिकारों का प्रभावी प्रयोग कठिन हो सकता है।

चौथी चुनौती वैध निगरानी और कानून प्रवर्तन की है। पारंपरिक दूरसंचार नेटवर्क में सेवा प्रदाताओं, लाइसेंसिंग शर्तों और घरेलू नेटवर्क अवसंरचना के माध्यम से कानूनी निगरानी की व्यवस्था लागू की जा सकती है। उपग्रह इंटरनेट में विदेशी नेटवर्क संचालन और सीमा-पार डेटा प्रवाह के कारण इन व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए अतिरिक्त तकनीकी क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता हो सकती है। यदि सेवा प्रदाता भारतीय कानूनों के अनुरूप वैध आदेशों का पालन करने में सक्षम नहीं हैं, तो आतंकवाद, संगठित अपराध और साइबर अपराध की जाँच प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, निगरानी की शक्तियों का प्रयोग स्पष्ट कानून, आवश्यकतानुसार और जवाबदेही के अधीन होना चाहिए, ताकि नागरिकों की निजता और मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें।

पाँचवीं चुनौती रणनीतिक निर्भरता की है। यूक्रेन युद्ध के दौरान स्टारलिनक की भूमिका ने प्रदर्शित किया कि निजी उपग्रह संचार प्रणालियाँ संकट और युद्ध के समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती हैं। ऐसी प्रणालियाँ संचार व्यवस्था को बनाए रखने में सहायता करती हैं, लेकिन किसी विदेशी कंपनी के व्यावसायिक निर्णय, सेवा की शर्तों में बदलाव या तकनीकी व्यवधान पर अत्यधिक निर्भरता राष्ट्रीय हितों के लिए जोखिम बन सकती है।

भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपातकालीन परिस्थितियों में उसकी महत्वपूर्ण संचार सेवाएँ किसी एक विदेशी प्रदाता पर निर्भर न रहें।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले स्पष्ट और प्रभावी लाइसेंसिंग व्यवस्था आवश्यक है। उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को दूरसंचार विभाग, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र तथा संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की लागू आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए। लाइसेंस, सेक्टर आवंटन और सुरक्षा मंजूरी की प्रक्रियाएँ पारदर्शी, समयबद्ध तथा समान मानकों पर आधारित हों। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर अनिश्चितकालीन देरी से बचते हुए संवेदनशील मामलों की समुचित जाँच की जानी चाहिए। दूसरे, घरेलू नेटवर्क अवसंरचना और डेटा प्रबंधन के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाने चाहिए। जहाँ तकनीकी रूप से आवश्यक और व्यवहार्य हो, वहाँ घरेलू गेटवे तथा भारतीय कानूनों के अंतर्गत वैध निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी सेवाओं पर एक जैसा तकनीकी मॉडल थोपने के बजाय जोखिम-आधारित नियमन अपनाना अधिक व्यावहारिक होगा।

तीसरे, उपयोगकर्ता सत्यापन और टर्मिनल पंजीकरण की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। अधिकृत उपकरणों के स्वामित्व, पंजीकरण और उपयोग की शर्तों का रिकॉर्ड रखा जाए। चोरी हुए उपकरणों, अधिकृत टर्मिनलों और संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के लिए सेवा प्रदाताओं तथा सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहन्य करण के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार भौगोलिक प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं, लेकिन उनका आधार स्पष्ट सुरक्षा आकलन होना चाहिए।

चौथे, नियमित साइबर सुरक्षा परीक्षण, स्वतंत्र सुरक्षा लेखा-परीक्षण और आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाएँ अनिवार्य की जानी चाहिए। सेवा प्रदाताओं को साइबर हमलों, डेटा उल्लंघनों और नेटवर्क व्यवधानों की समय पर सूचना देने तथा सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहन्य करण के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। साथ ही, भारत को स्वदेशी उपग्रह संचार क्षमताओं, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार में निवेश बढ़ाना चाहिए, ताकि रणनीतिक निर्भरता कम हो सके।

लोक विचार

झूट की बुनियाद पर खड़े लोगों पर क्यों नहीं कसा जाता शिकंजा



में, ऐसी गतिविधियों से निपटने के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), जो पहले भारतीय दंड संहिता या आईपीसी थी, की विभिन्न धाराओं जैसे 153 (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295 (धार्मिक भावनाओं को आहत करना) और 505 (सार्वजनिक शरारत के लिए दिए गए बयान) का सहारा लिया जाता है। इस विधिक व्याख्या के कारण, जब कोई नेता या बुद्धिजीवी किसी भ्रामक तथ्य को घुमा-फिराकर पेश करता है, तो वह अक्सर कानून की इस सूक्ष्म सीमा का लाभ उठा लेता है। उनके बयानों को तथ्यों की अपनी व्याख्या या आलोचनात्मक दृष्टिकोण का नाम दे दिया जाता है, जिससे अदालत में उनके खिलाफ अपराध सिद्ध करना बेहद कठिन हो जाता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल युग और सोशल मीडिया के प्रसार ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है। आज कोई भी बयान या भ्रामक जानकारी व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर) या फेसबुक के जरिए पलक झपकते ही लाखों लोगों तक पहुँच जाती है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को मध्यस्थ का दर्जा प्राप्त है, जिससे उन्हें शुरुआती तौर पर सामग्री के लिए सीधे तौर पर उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। यद्यपि आईटी नियम 2021 और हालिया

संशोधनों के माध्यम से भ्रामक सामग्री को हटाने के नियम सख्त किए गए हैं, लेकिन गुप्तनाम खातों और एन्क्रिप्टेड संदेशों के कारण सूचना के मूल स्रोत या असली साजिशकर्ता तक पहुँचना पुलिस के लिए एक तकनीकी और कानूनी भूलभुलैया साबित होता है।

प्रभावशाली लोगों के कानूनी शिकंजे से बच निकलने का एक और व्यावहारिक कारण प्रक्रियात्मक देरी और राजनीतिक प्रभाव भी है। कई बार ऐसे मामलों में दर्ज की गई प्राथमिकियों (एफआईआर) की जाँच राजनीतिक प्राथमिकताओं के आधार पर प्रभावित होती है। इसके अलावा, अदालतों में मुकदमों के भारी बोझ के कारण अंतिम फैसला आने में सालों लग जाते हैं, जिससे कानून का डर कम हो जाता है। जब तक कोई मामला तार्किक परिणति तक पहुँचता है, तब तक उस भ्रामक बयान का राजनीतिक या सामाजिक प्रभाव खत्म हो चुका होता है और जनता का ध्यान ऐसे मुद्दों की ओर आकर्षित हो जाता है। इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए विधि आयोग और विभिन्न विशेषज्ञ समितियों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण कदम यह माना जाता है कि कानून में फेक न्यूज और हेट स्पीच को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए, जैसा कि हाल ही में कुछ राज्य सरकारों ने अपने विशिष्ट विधेयों के माध्यम से करने का प्रयास किया है। इसके तहत केवल सामान्य धाराओं के बजाय भ्रामक सूचनाओं के जरिए सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने के लिए विशेष दंड प्रावधान होने चाहिए।

अंततः, कानूनी उपायों के साथ-साथ समाज में डिजिटल साक्षरता और तथ्य-जांच (फैक्ट-चेकिंग) की संस्कृति को बढ़ावा देना भी उतना ही जरूरी है, ताकि देश की जनता स्वयं जागरूक होकर किसी भी एजेंडे या झूठ का शिकार होने से बच सके।

न्यूज़ ट्रेक

जीटीबी अस्पताल से दूधमुँहे बच्चे को ले उड़ी पड़ोसी बनकर आई महिला

दिल्ली। शाहदद स्थित गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल एक शांतिर महिला ने माँ के विश्वास का फायदा उठाकर उसके दूधमुँहे बच्चे का अपहरण कर लिया। आरोपी महिला ने खुद को पीड़िता का पड़ोसी बताकर पहले भरोसा जिला और फिर मौका पाकर बच्चे को लेकर चंपत हो गई। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़िता सलोनी अपने परिवार के साथ हर्ष विहार के सम्बोली विस्तार में किराए के मकान पर रहती हैं, जबकि उनका मायका या ससुराल नंद नगरी के सी-3 ब्लॉक में है। गुरुवार की सुबह करीब 10:30 बजे सलोनी अपने मामूम बेटे (जिसे प्यार से लड्डू पुकारा जाता है) को तबियत दिखाने जीटीबी अस्पताल की एमसीएच (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य) विलिडिंग पहुँची थीं।

साढ़े सात किलो से ज्यादा अफीम, हेरोइन बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। भारत-पाकिस्तान सीमा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में 7.468 किलो अफीम और हेरोइन बरामद की गई, जबकि दूसरे मामले में एक पिस्तौल और दो मेगजीन बरामद हुई हैं। जानकारी के मुताबिक थाना परिखा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम युगराज सिंह उर्फ काका निवासी गांव धनीआ कलाँ है। सूचना थी कि आरोपी यश की खेप सप्लाई करने के लिए जा रहा है। पुलिस टीम की ओर से ट्रैप लगाया गया। इसी दौरान आरोपी को आते हुए रोक रखा गया।

हड़िये पर खड़े ट्रक से टकराया प्लेटों से भरा ट्रक, चालक की मौत

रेवाड़ी (हरियाणा)। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर शनिवार अल सुबह 3 बजे दो ट्रकों की टक्कर में एक चालक की मौत हो गई। हादसा जंगल बेकनर के समने हुआ। मुक्त राजस्थान के अजमेर निवासी करीब 30 वर्षीय अर्जुन है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एल्यूमिनियम प्लेटों से भरे ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फँस गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक को बाँड़ी काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जांच अधिकारी सौरभ के अनुसार, एल्यूमिनियम प्लेटों से भरा ट्रक जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहा था। धारुदोड़ा में जंगल बेकनर के समने रोड़ी से भरा एक ट्रक सड़क किनारे खड़ा था।

राजस्थान में तापमान 6डिग्री गिरा, लखनऊ में बाद से 3 लाख लोग प्रभावित

उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से कड़ाके की ठंड, मप्र में बूँदाबांटी

नई दिल्ली, एजेंसी

हिमाचल में बारिश और बर्फबारी के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है।उत्तराखंड के ऊँचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। वहीं, प्रदेश में आज सुबह का तापमान 9 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि दो दिन पहले तक यह 17.7एड था।राजस्थान में बारिश ने सुबह-शाम सर्दी बढ़ा दी



है। मौसम बदलने से अधिकतम तापमान 6 डिग्री तक गिर गया है। सबसे कम तापमान अलवर में 27 डिग्री रहा, जबकि माउंट आबू में घाट 27.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।पूबी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। लखनऊ में बाढ़ से हालात बिगड़े हुए हैं। फैजुल्लागंज इलाके की 3 लाख से ज्यादा आबादी प्रभावित है। गोमती का जलस्तर घटने लगा है, लेकिन घरे में 21वें दिन भी पानी भर है।

प्रशिक्षण

पायलटों का प्रशिक्षण पहाड़ी उड़ानों तक, सुरक्षा पर भी होगी कड़ी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

विमान हादसों पर लगाम लगाने के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) ने पायलटों के प्रशिक्षण और पहाड़ी इलाकों में उड़ानों की सुरक्षा कड़ी करने की सिफारिश की है। ब्यूरो ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से गैर-अनुयुचित और सामान्य विमानन सेवाएं देने वाले संचालकों के पायलटों के प्रशिक्षण रिकॉर्ड की एकमुस्त जांच करने की कहा है। इसका फलस्वरूप यह सुनिश्चित करना है कि सिमुलेटर प्रशिक्षण के हर सत्र में सभी जरूरी अभ्यास कराए जा रहे हैं। इन अभ्यासों में विमान के चढ़ने, सामान्य उड़ान, उतरने की विधायी और लैंडिंग के दौरान वायुगतिकीय स्थल से उतरने का प्रशिक्षण भी शामिल है।

हादसों पर लगाम लगाने के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की सिफारिश

पायलटों का प्रशिक्षण पहाड़ी उड़ानों तक, सुरक्षा पर भी होगी कड़ी नजर

मुंबई हादसे के बाद प्रशिक्षण पर जोर

यह सिफारिश 14 सितंबर, 2023 की मुंबई हवाईअड्डे पर बीएसआर बेंचर्स के लिखरजेट 45एक्सआर

विमान (बीटी-डूबीएनएल) के दुर्घटनाग्रस्त होने की अंतिम जांच रिपोर्ट में की गई है। इस हादसे में छह यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों को गंभीर चोटें आई थीं। विशाखापत्तनम से आ रहा विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और टैक्सीवे की एक लाइट भी टूट गई थी। एएआइबी की मुताबिक, खराब मौसम के बावजूद एप्रोच एर्रेज जारी रखने और विमान को ठोक से नियंत्रित नहीं कर पाने के

कारण कम ऊंचाई पर वायुगतिकीय स्थल हुआ। कम गति के संकेत मिलने के बाद भी पायलटों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई नहीं की। विमान को टोबाए ऊपर ले जाकर सुरक्षित उड़ान की स्थिति में लाने यानी गो-अराउंड का फैसला लेने में भी देरी हुई। रिपोर्ट में खराब दृश्यता, पीछे से तेज हवा और समय पर उतरने के दबाव को भी हादसे से जुड़े कारकों में गिनाया गया है। ब्यूरो ने विमान संचालकों को प्रशिक्षण, आंतरिक सुरक्षा जांच और संचालन प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है।

एएआईबी ने एक अन्य रिपोर्ट में केदारनाथ घाटी में एकल-पायलट हेलीकाप्टर उड़ान से पहले पहाड़ी क्षेत्रों में न्यूनतम उड़ान अनुभव अनिवार्य करने की सिफारिश की है। साथ ही, सीतापुर नियंत्रण केंद्र और पायलट के बीच बातचीत की रिकार्डिंग करने का सुझाव दिया गया है। अर्बन एविएशन का बेल 407 हेलीकाप्टर (वीटी-बीकेए) 15 जून, 2025 को केदारनाथ से गुफाशरी की झटल उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में छह यात्रियों और पायलट की मौत हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, पायलट का सीमित उड़ान अनुभव, अचानक घने बादलों का सामना और तेजी से नीचे उतरना हादसे से जुड़े प्रमुख कारण थे। मौसम बिगड़ने पर समय रहते यस्ता बदलने या वापस लौटने का फैसला नहीं लिया गया। एएआईबी की मुताबिक, 2015 से 2025 के बीच खारधाम क्षेत्र में आठ विमान दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना दर्ज की गई।

चीन-पाकिस्तान की बढ़ती टेंशन

एएनआई, कारवार
भारतीय नौसेना ने कारवार स्थित नौसैनिक अड्डे पर बहुउद्देश्यीय स्वदेशी युद्धपोत आइएनएस 'समर्थक' को अपने बेड़े में शामिल कर लिया। भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड द्वारा निर्मित 'समर्थक' भारतीय नौसेना में शामिल किए जा रहे दो बहुउद्देश्यीय पोतों में पहला है। स्वदेशी युद्धपोत समर्थक को भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में नौसेना में शामिल किया गया। भारतीय नौसेना ने एक्स पर लिखा, 'भारत की समुद्री शक्ति को मजबूत करते हुए। भारतीय नौसेना में शामिल किया गया बहुउद्देश्यीय पोत समर्थक भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में कर्नाटक स्थित कारवार में सुबह 11:10 बजे (भारतीय समय) नौसेना में शामिल किया गया।



नौसेना में शामिल हुआ पहला स्वदेशी बहुउद्देश्यीय युद्धपोत 'समर्थक'

महत्वपूर्ण साबित होगी इसकी एकीकृत प्रणाली

इस युद्धपोत को नौसेना में शामिल किया जाना रक्षा क्षेत्र में आधुनिकीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों का एक और अहम पड़ाव होगा। यह नौसेना की भविष्य की जरूरतों का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा और रणनीतिक रूप से अहम अभियानों के लिए एक आदर्श 'उपयोगिता' पोत साबित होगा। समर्थक पोत का वीथी वायट- 'क्रिज' ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है।' मुख्य रूप से समुद्री निगरानी और गश्त के लिए बनाया गया आइएनएस समर्थक कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों (एनआइएमओ), लक्ष्य तेनाती और परीक्षण मंच, मानवरहित/स्वायत्त प्रणालियों के मातृपोत, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एएएडीआर), सीमित क्षमता वाले अस्पताल पोत में बदलाव और समुद्री अभियानों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी एकीकृत युद्ध प्रणाली में स्वदेशी सेंसर, हथियार व इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियां शामिल हैं। एडमिरल रघुवीरनाथन ने कहा कि समर्थक किसी निजी पोत निर्माण यार्ड में बना पहला बड़ा युद्धपोत है।

यूएन रिपोर्ट पर भारत का कड़ा ऐतराज

‘अफवाहों को रिपोर्ट का जामा पहनाया’ युवाओं को लेकर दावों पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिवेत्क जौना रोमिरे को उस रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है, जिसमें दावा किया गया है कि देश में मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक न्याय जैसे मुद्दों पर चर्चा करने वाले युवाओं को प्रताड़ना या सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है। भारत की ओर से स्थायी मिशन के प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने इन आरोपों को गुमनाम और अस्पष्ट सूचनाओं पर आधारित बताते हुए खारिज कर दिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के 81वें सत्र में संवाद के दौरान भारत ने रिपोर्ट के निष्कर्षों और उन्हें तैयार करने के आधार पर सवाल उठाए। स्वरूप ने कहा कि किसी देश को विशाल युवा आबादी को लेकर व्यापक आरोप लगाने के लिए केवल अज्ञात स्रोतों से मिली जानकारी पर्याप्त नहीं है।



दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी घर गुमनाम और अस्पष्ट दावों के आधार पर अज्ञेय लगाना खलु नहीं, बल्कि अफवाहों को संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का जामा पहनाना है। भारत इन दावों को खारिज करता है और रिपोर्ट में तथ्यों के सत्यापन व विषयवस्तु की जांच करता है।

- अनुज स्वरूप, यूएन में स्थायी मिशन के प्रथम सचिव

भारत ने संविधान के अनुच्छेद 19 का दिया हवाला

अनुज स्वरूप ने कहा कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने, संगठन बनाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनके मुताबिक, इन अधिकारों की रक्षा स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र प्रेस और स्वतंत्र राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के माध्यम से होती है। स्वरूप ने कहा कि विशेष प्रतिवेदक की रिपोर्ट में भारतीय युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक न्याय जैसे विषयों पर यौनन के कारण प्रताड़ना या सामाजिक कलंक झेलने का दावा किया गया है, लेकिन इसके समर्थन में फुटनोट में केवल अज्ञात लोगों के बयानों का उल्लेख है।

‘यह सबूत नहीं, अफवाह है’

भारतीय प्रिक्लिमिडल ने रिपोर्ट में इस्तेमाल जानकारी को लेकर रिपोर्ट के आकलन को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा राजनीतिक आंदोलनों में हिस्सा लेते हैं और परिष्ठ सरकारी नेताओं के साथ संवाद भी करते हैं। उन्होंने एक व्यापक राजनीतिक समूह 'सीजेपी' का उल्लेख किया।

युवा आंदोलन का दिया उदाहरण

स्वरूप ने भारत में युवाओं के लिए उपलब्ध नागरिक रधान को लेकर रिपोर्ट के आकलन को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा राजनीतिक आंदोलनों में हिस्सा लेते हैं और परिष्ठ सरकारी नेताओं के साथ संवाद भी करते हैं। उन्होंने एक व्यापक राजनीतिक समूह 'सीजेपी' का उल्लेख किया।

मैगी खाने के बाद ग्रेटर नोएडा में परिवार के 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्रेटर नोएडा में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मरने वालों में माता-पिता और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। यह मामला ग्रेटर नोएडा के खूपुरा थाना क्षेत्र का है। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से इलाके में हड़कंध मच गया है। शुक्रावती जानकारी के मुताबिक, परिवार की मौत किसी खोज को खाने की वजह से होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि परिवार ने अखिरों बार चाय पी थी और मैगी खाई थी। इसके बाद



परिवार के पांचों लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हालांकि, अभी तक मौत की असली वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

फलोदी: 39 घंटे बाद बोरवेल से निकला भोमाराम, नहीं बच पाई जान

जोधपुर। एजेंसी

फरलोदी जिले के लोहवट थाना क्षेत्र अंतर्गत नौसर गांव में बोरवेल में गिरे 9 वर्षीय मामूम भोमाराम को 39 घंटे चले मेराथन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शनिवार तड़के करीब 3:30 बजे बाहर निकाल लिया गया। हालांकि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के तमाम अथक प्रयासों व ग्रामीणों की दुआओं के बावजूद मामूम को बचाया नहीं जा

सका। डॉक्टरों ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक खबर के सामने आते ही पूरे गांव में शोकमयी सन्नाटा पसर गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राह जानकारी के अनुसार नौसर गांव निवासी पांचाराम भील के खेत में लगे बोरवेल की मोटर खराब होने से फूलाना खुला छोड़ दिया था। पास ही खेल रहा 9 वर्षीय भोमाराम अचानक इस खुले बोरवेल में जा गिरा।

चंबा में अग्निकांड: मकान जलकर राख, 20 लाख रुपए का नुकसान

चंबा। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार सुबह अग्निकांड हुआ है। ग्राम पंचायत करघुनी कोठी के सेरी गांव में देवी सिंह पुत्र फतु राम का मकान आग लगने से पूरी तरह जलकर राख हो गया। अग्निकांड में करीब 20 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। आग लगने के बहरणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों ने भी पहल एवं बचाव कार्य में सहयोग किया। स्थानीय लोगों, पुलिस और अग्निशमन दल ने मिलकर आग पर काबू पाने के प्रयास किए। हालांकि, आग की चपेट में आने से मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आवासीय आयुक्त अमनदीप सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद



संबंधित विभागीय टीम को मौके पर खाना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवार को हरसंभव सहयता उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

किश्तवाड़ में लापता एसपीओ का जंगल में मिला शव: पास में सर्विस राइफल बरामद

जम्मू। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लापता हुए 55 वर्षीय विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) बशीर अहमद का शव शुक्रवार को उनके घर के पास जंगल में मिला। शव के पास उनकी सर्विस राइफल और एक मैगजीन भी बरामद हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि बशीर अहमद पेंडिल पुलिस चौकी में तैनात थे। यह गुरुवार सुबह अपने घर के लिए निकले थे, लेकिन वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद परिजनों ने उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शुक्रवार को त्रिगाम इलाके में उनके घर के पास स्थित जंगल में शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल से उनकी सर्विस राइफल और मैगजीन भी मिली है। पुलिस ने बताया कि सक्षम युद्धन के लिए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है।



► बड़े राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदल गया छात्रों को विरोध-प्रदर्शन

जेनजी आक्रोशित: फ्रांस के बाद अब अल्बानिया में भड़का छात्र आंदोलन

पुलिस से हिंसक झड़पें, सरकारी व सार्वजनिक संपत्तियों में आगजनी, संसदीय सत्र रद्द होने की नौबत

● तिराना

अल्बानिया की राजधानी तिराना में छात्रों के नेतृत्व में हो रहा विरोध-प्रदर्शन अब एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक संकट में बदल गया है। बेहतर शिक्षा, वित्तीय सहायता और रोजगार के अवसरों की मांग से शुरू हुआ यह आंदोलन अब पीएम एडी रामा के इस्तीफे और पूरी व्यवस्था में बदलाव की मांग तक पहुंच चुका है।

राजधानी तिराना में तीन दिनों से जारी इस अशांति के कारण दंगा-रोधी पुलिस के साथ हिंसक झड़पें, सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों में आगजनी और संसदीय सत्र तक रद्द होने की नौबत आ गई है। प्रदर्शनों की मुख्य शुरुआत विश्वविद्यालय परिसरों के खस्ताहाल, उच्च शिक्षा की आसमान छूती लागत, अपर्याप्त वित्तीय सहायता और पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के अवसरों की कमी को लेकर हुई। यह विरोध-प्रदर्शन 13 अक्टूबर को अल्बानिया के शिक्षा मंत्रालय के बाहर शुरू हुआ और अगले ही दिन पूरे तिराना में फैल गया।

छात्रों की मांगें जल्द ही आम जनता के गुस्से के साथ जुड़ गईं। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि देश में भ्रष्टाचार इस कदर फैल



चुका है कि आम लोगों का जीवन कठिन हो गया है। प्रदर्शनकारी एनिडा बिमि के अनुसार, यह आंदोलन अब केवल छात्रों का नहीं रहा, बल्कि पूरी व्यवस्था के खिलाफ लोगों का गुस्सा है।

वहीं, प्रदर्शनकारी आबर् लेशी ने मौजूदा सरकार को देश की अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार करार दिया। शिक्षा के मुद्दों पर शांतिपूर्ण ढंग से शुरू हुआ यह आंदोलन जल्द ही उग्र रूप ले चुका है। प्रदर्शनकारियों ने पीएमओ, वित्त मंत्रालय,

गृह मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय परिसर के एक हिस्से में आगजनी की। इसके अलावा दो निजी बैंकों और कई दुकानों की खिड़कियां तोड़ दी गईं। ,

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारों और आंसू गैस के गोलों का सहारा लिया। हिंसा के दौरान 6 पुलिस अधिकारी और 1 महिला पत्रकार घायल हुए हैं। पुलिस ने अलग-अलग चरणों में 39 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है।

फ्लेमिंगो क्रांति और जेरेड कुशनर विवाद

यह छात्र आंदोलन रामा सरकार के खिलाफ महीनों से चल रहे व्यापक सरकार विरोधी अभियानों का ही हिस्सा है। इस जन-असंतोष को फ्लेमिंगो क्रांति के नाम से जाना जा रहा है, जिसकी मुख्य वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर से जुड़ा एक विवादित पर्यटन प्रोजेक्ट है। अल्बानिया के दक्षिणी तट पर एक लगजरी रिसॉर्ट बनाने की योजना है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस विकास परियोजना के नाम पर उनकी जमीनों को गलत और अवैध तरीके से बेचा गया. इस विवाद ने सरकार के खिलाफ जन-आक्रोश को और भड़का दिया।

स्थानीय मीडिया में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को पीटने और घसीटने के फुटेज सामने आने के बाद मानवाधिकार संगठन अल्बानियाई हेलसिंकी कमिटी ने पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

यूएई शाही खानदान की बहू लंदन की सड़क पर नशे में मिली धुत

महराह अल नहयान को बच्चे की लापरवाही का दोषी पाया गया

□ एजेंसी यूपई

लंदन की एक कोर्ट ने अबू धाबी के शाही परिवार की महिला सदस्य को बच्चे की देखरेख में लापरवाही का दोषी पाया। महिला ने भी अपना दोष स्वीकार कर लिया है। अबू धाबी के शाही परिवार की सदस्य महराह अल नहयान को मंगलवार को लंदन की साउथवार्क क्राउन कोर्ट ने सजा सुनाई। महराह अल नहयान इसी साल के जून में पश्चिमी लंदन में ड्रग्स के ज्यादा सेवन के बाद बेहोश मिली थीं। महराह (32) के पास एक तीन साल का बच्चा बिना किसी सुरक्षा के सड़क पर खेल रहा था। वो नंगे पैर ट्रैफिक के करीब थी। इसी दौरान महराह के पास एक युवक भी बेहोश दिख रहा था।

कोर्ट ने उन पर 7.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। महराह शादी करने के बाद अबू धाबी के शाही परिवार से जुड़ी हैं। अल नहयान के परिवार के लोग अबू धाबी पर शासन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इनकी कुल संपत्ति 300 अरब डॉलर है। उनका परिवार दुनिया के चंद चुनिंदा परिवारों में जिनके पास काफी पैसा है। महराह तब सुखियों में आईं जब जो ड्रग्स लेकर सड़क पर बेहोश मिली थीं। हालांकि इस घटना के कुछ दिन



ड्रग्स के छुटकारे के लिए अस्पताल में भर्ती हुई महराह अल नहयान

महराह को ड्रग्स से छुटकारे के इलाज के लिए प्रायरी विलिनिक में भर्ती कराया गया था। हालांकि घटना वाले दिन की बात की जाए तो पुलिस को उनके पास से कोई नशीली चीज नहीं मिली। पुलिस ने मोके से ड्रग्स के जुड़ी कुछ चीजें मिली थी जिसकी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई। घटना वाले दिन जब महिला होश में आई तो देखा की राहगीरों ने उनके पास खेल रहे बच्चे का ख्याल रखा हुआ था। इस दौरान महिला ने लोगों से ये भी पूछा कि आप लोग परेशान क्यों हैं ?

पहले ही उन्होंने कोकीन लेने की बात स्वीकारी थी। जिसके बाद मीडिया में उनको लेकर कई तरह की चर्चां गर्म हो गई। कोर्ट केस के वक्त ये जानकारी सामने आई कि

महराह को 8000 यूरो (भारतीय रुपयों में 1010484) भत्ता मिलता है। इस दौरान ये पता नहीं चल पाया कि घटना के वक्त इनके पास मिले बच्चे से इनका क्या रिश्ता है।

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी, तीन बच्चों समेत पांच की मौत, मचा हड़कंप

● वाशिंगटन

अमेरिका के ओरेगॉन स्टेट के बेंड शहर में मौजूद एक स्कूल में गोलाबारी की गई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक घटना में 3 बच्चों समेत 5 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, इस दौरान हमलावर भी मारा गया। यह घटना सितंबर रेल एलिमेंट्री स्कूल में हुई, जहां किडरगार्टन से 5 वीं कक्षा तक के बच्चे पढ़ते हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। स्कूल को बंद कर दिया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संदिग्ध हमलावर 16 साल का लड़का था। पुलिस के पहुंचने से पहले ही उसे गोली लग चुकी थी और उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि संदिग्ध को किसने गोली मारी।

एफबीआई जांच में कर रही मदद

जांच एजेंसी एफबीआई भी स्थानीय पुलिस की मदद कर रही है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि एजेंसी की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और जांच के लिए जरूरी सोर्स उपलब्ध कराए जाएंगे। बेंड-ला पाइन स्कूल्स के सुपरिंटेंडेंट स्टीवन कुक ने कहा कि स्कूल के लोग इस घटना से गहरे सदमे में हैं। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। यूएस में मान कन्वर् की वजह से आए दिन हमले होते रहते हैं। इनमें स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी, घरेलू हिंसा, दुर्घटनाएं और आत्महत्या में बंदूक का इस्तेमाल शामिल है।

ट्रम्प ने 5 दिन में ही प्रेस सेक्रेटरी को हटाया

वाॅशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपनी नई प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया को पद से हटा दिया है। जकारिया ने सोमवार को काम शुरू किया था और सिर्फ 5 दिन बाद, 16 अक्टूबर को उन्होंने पद छोड़ दिया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि जकारिया पद से हट रही हैं। ट्रम्प ने उनसे नौकरी पर दोबारा विचार करने को कहा था। जकारिया के वकील होने की योग्यता पर सवाल उठे थे। इसके अलावा वे अपनी पहली प्रेस ब्रीफिंग सही से नहीं दे पाई थीं। एक सवाल पर अपने पति को उन्होंने गलती से माय प्रेसिडेंट कह दिया था। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रेस सेक्रेटरी के पद से हटने के पहले केटी जकारिया का उनके रिपोर्टर के साथ इंटरव्यू चल रहा था। तभी व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ सलाहकार उनके ऑफिस पहुंचे।

जापान में गलती से 9.9 तीव्रता के भूकंप का अलर्ट

टोक्यो, आरएनएन। जापान के मौसम विभाग ने शुक्रवार को भूलवश 9.9 तीव्रता के भूकंप की चेतावनी भेज दी, जिससे हड़कंप मच गया। दरअसल, रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पास समुद्र में 7.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ था, लेकिन इसी के चलते विभाग ने गलती से 9.9 तीव्रता की चेतावनी जारी कर दी।

जापान के कई इलाकों में सार्वजनिक लाउडस्पीकरों और मोबाइल फोन पर अलार्म बजने लगे, जिससे लोग सहम गए और घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने अपने रिश्तेदारों और शुभचिंतकों को फोन करना शुरू कर दिया। हालांकि, मौसम विभाग ने जल्दी ही अपनी गलती भांप ली और 12 मिनट के अंदर ही अलर्ट रद्द कर दिया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक, असली भूकंप रूस के कामचटका के पास आया था। इसकी गहराई 145 किमी बताई जा रही है।

दुनिया के सबसे पुराने जहाज का मलबा तुर्किये में मिला

अनुमान है कि मलबा 4,500 साल पुराना

● सिडनी

पुरातत्वविदों की एक टीम का मानना है कि तुर्किये के तट पर मिला जहाज का मलबा दुनिया में अब तक खोजा गया सबसे पुराना मलबा है। जहाज का बहुत कम हिस्सा बचा है, लेकिन उसमें मिले मिट्टी के बर्तनों सहित अन्य सुरागों के आधार पर शोधकर्ताओं की टीम ने अनुमान लगाया है कि यह मलबा करीब 2700 से 2400 ईसा पूर्व का है। यह लगभग 4,500 साल पुराना है। इस खोज से पहले दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात जहाज का मलबा यूनान के डोकोस तट के पास मिला था, जिसे करीब 4,200 साल पुराना माना जाता था। हालांकि, इन निष्कर्षों



की पुष्टि के लिए अभी काफी काम किया जाना बाकी है। अंततः स्थित अकदेनिय विवि के एसोसिएट प्रोफेसर हाकान ओनिज दशकों से तुर्किये के इस तट पर प्राचीन जहाजों के मलबे की खोज और खुदाई कर रहे हैं। स्थानीय नाविकों से मिले सुरागों के आधार पर ओनिज ने 2024 में तुर्किये में अंततः तट के पश्चिम में कैकोवा के पास उथले पानी में एक जहाज का मलबा खोजा।

यूक्रेन ने किए रूस के 4 फाइटर बॉम्बर तबाह

कीव, आरएनएन। यूक्रेन ने रूस के चार एसयू-34 फाइटर बॉम्बर विमानों को नष्ट कर दिया है। यह दावा राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने किया है। उन्होंने बताया कि यूक्रेन ने रूस के वीरोनिश इलाके में बोर्सोलेव्स्क एयरफील्ड पर रातभर हमले किए। साथ ही इनके अलावा दो अन्य विमानों को नुकसान पहुंचाया है यूक्रेन की सेना ने सभी छह विमानों को नुकसान पहुंचाने की पुष्टि की है। जेलेंस्की ने बताया कि यह हमला नेपच्यून मिसाइल का इस्तेमाल करके किया गया था। एक्स पर पोस्ट करते हुए जेलेंस्की ने कहा, इन विमानों में हवाई बम लदे हुए थे। ये यूक्रेन पर नए हमले करने के लिए तैयार थे।

इजराइली कंपनी के विज्ञापनों के जरिए जासूसी की कोशिश

टोरंटो यूनिवर्सिटी की सिटिजन लैब की जांच में खुलासा हुआ है कि इजराइली कंपनी डिस्कवर टेक के विज्ञापनों के जरिए मोबाइल और कंप्यूटर में जासूसी मालवेयर (एक तरह का सॉफ्टवेयर) पहुंचाने की कोशिश की गई।

इसके लिए यूजर को विज्ञापन पर क्लिक करने की जरूरत थी नहीं थी। जांच में 1.20 लाख से ज्यादा वेबसाइटों और 75 हजार से ज्यादा ऐप पर ऐसे विज्ञापनों के रिकॉर्ड मिले।

इनमें संयुक्त राष्ट्र (ह) और नाटो के नेटवर्क तक विज्ञापन पहुंचने की बात भी सामने आई है। रिकॉर्ड में भारत में इस्तेमाल होने वाले टरूकॉलर, एमएक्स प्लेयर और लूडो स्टार जैसे ऐप भी शामिल हैं।

मोबाइल नंबर जुटाने की भी कोशिश

जांच में %ड्रॉफ़ कार्टोग्राफर% नाम के एक अन्य समूह का भी पता चला। यह समूह विज्ञापनों के जरिए 30 से ज्यादा देशों में लोगों के मोबाइल नंबर पता लगाने की कोशिश कर रहा था।

1. निशाना कैसे बनाते थे?

हैंकिंग करने वाले सामान्य विज्ञापनों के जरिए फोन और कंप्यूटर तक पहुंचने की कोशिश करते थे। इसके लिए यूजर का विज्ञापन पर क्लिक करना जरूरी नहीं था। कुछ मामलों में विज्ञापन स्क्रीन पर दिखाई दिए बिना भी कोड डिवाइस तक पहुंच सकता था।

2. डिवाइस की पहचान कैसे करते थे?

विज्ञापन से जुड़े कोड के जरिए यह पता लगाने की कोशिश होती थी कि कौन-सा व्यक्ति किस ऐप

या वेबसाइट का इस्तेमाल कर रहा है। डिवाइस से जुड़ी जानकारी भी जुटाई जाती थी।

3. जासूसी सॉफ्टवेयर कैसे पहुंचता था?

पहले जुटाई गई जानकारी के आधार पर चुनिंदा डिवाइस को निशाना बनाया जाता था।

विज्ञापन के जरिए उन डिवाइस तक जासूसी सॉफ्टवेयर पहुंचाने की कोशिश होती थी। यूजर को इसकी जानकारी नहीं होती थी।

4. कितने बड़े पैमाने पर हुई कोशिश?

जांच के मुताबिक, डिस्कवर टेक ने 161 देशों में विज्ञापन दिखाने की कोशिश की। कंपनी के एक सर्वर पर जनवरी से जून 2026 के बीच 36.4 लाख से ज्यादा संभावित यूजर्स के रिकॉर्ड मिले। इन यूजर्स के डिवाइस तक कोड पहुंचाने की व्यवस्था थी। जांचकर्ताओं के मुताबिक, इस नेटवर्क का दायरा इससे भी बड़ा हो सकता है।

नवाज शरीफ की तरह इमरान खान पाकिस्तान छोड़ सकते हैं

विपक्षी नेता का दावा- सरकार ने ऑफर दिया, समझौता करने का दबाव बना रहे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान भी पूर्व प्रधानमंत्रियों की तरह देश छोड़ सकते हैं। विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यहा दावा किया। अचकजई ने कहा- सरकार इमरान पर समझौते के लिए दबाव बना रही है। वे नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो की तरह देश छोड़कर जा सकते हैं। अचकजई पख्तुनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (क्वक्व) के अध्यक्ष और पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता हैं।

नवाज-बेनजीर ने क्यों छोड़ा था पाकिस्तान?

अचकजई ने अपने दावे के समर्थन में पाकिस्तान के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो के पुराने मामलों का हवाला दिया।

नवाज शरीफ- 1999 में तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने सैन्य तख्तापलट कर नवाज सरकार को हटा दिया था। नवाज को जेल में डाल दिया गया। इसके बाद 2000 में सऊदी अरब और लेबनान के नेताओं की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत वे पाकिस्तान छोड़कर चले गए। समझौते की शर्तों के मुताबिक, नवाज को 10 साल तक पाकिस्तान से बाहर और राजनीति से दूर रहना था।

बेनजीर भुट्टो- 1997 में तत्कालीन राष्ट्रपति फारूक लेघारी ने बेनजीर को भ्रष्टाचार के आरोप में प्रधानमंत्री पद से हटा दिया था। इसके बाद 1997 के आम चुनाव में उन्हें हार मिली। इसके बाद बेनजीर भुट्टो ने देश छोड़ दिया। वह 9 साल तक ब्रिटेन और दुबई में रहीं।

अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान

73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर



सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इहत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए।

बाद में सिफर और इहत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं।

इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया।

वहीं, पाकिस्तान सरकार और जांच एजेंसियां इन आरोपों को खारिज करती हैं और कहती हैं कि ये मामले कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहे हैं।

तोशाखाना क्या है और इमरान

खान का मामला क्या है?

तोशाखाना पाकिस्तान सरकार का सरकारी भंडार है। यहां प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री और दूसरे सरकारी अधिकारियों को रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं।

इमरान खान से जुड़े विवाद

इमरान खान 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उन्हें कई महंगे विदेशी तोहफे मिले। आरोप है कि कुछ तोहफों की जानकारी और उनकी बिक्री से मिली रकम की पूरी जानकारी नहीं दी गई।

तोहफों की जानकारी छिपाने का आरोप- 2022 में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने इमरान को तोहफों की जानकारी गलत तरीके

से घोषित करने का दोषी माना और उन्हें अयोग्य ठहराया।

तोशाखाना का पहला मामला-इमरान पर आरोप था कि उन्होंने कुछ महंगे तोहफे तय कीमत देकर अपने पास रखे और बाद में बेच दिए। अगस्त 2023 में उन्हें 3 साल जेल की सजा सुनाई गई। बाद में सजा निलंबित हो गई।

तोशाखाना का दूसरा मामला- इसमें 2021 में सऊदी क्राउन प्रिंस से मिले बुल्गारी ज्वेलरी सेट का मामला है। अभियोजन के मुताबिक इसकी कीमत करीब 8 करोड़ पाकिस्तानी रुपए थी, जबकि इसे करीब 29 लाख रुपए में रखने का आरोप है।

इमरान खान के प्रमुख केस की वर्तमान स्थिति

तोशाखाना केस- 2023 में इमरान खान को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा हुई थी। बाद में यह सजा निलंबित हुई। हालांकि, बाद में तोशाखाना से जुड़े एक अन्य मामले में दिसंबर 2025 में इमरान खान और बुशरा बीबी को 17-17 साल की सजा सुनाई गई। यह सजा महंगे सरकारी तोहफों की कथित कम कीमत पर खरीद से जुड़े मामले में है।

साइफर केस- इमरान खान को साइफर/स्टेट सीक्रेट्स केस में मिली 10 साल की सजा हाईकोर्ट ने पलट दी थी। जून 2024 में उन्हें इस मामले में बरी कर दिया गया।

इहत निकाह केस- फरवरी 2024 में इमरान खान और बुशरा बीबी को 7-7 साल की सजा मिली थी। जुलाई 2024 में दोनों को इस मामले में बरी कर दिया गया। अल-कादिर ट्रस्ट-190 मिलियन केस- यह मामला इमरान खान के प्रधानमंत्री रहते हुए ब्रिटेन से पाकिस्तान लौटाए गए करीब 190 मिलियन और उससे जुड़े कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है।17 जनवरी 2025 को इमरान खान को 14 साल और बुशरा बीबी को 7 साल की सजा सुनाई गई। मई 2026 में इस सजा को निलंबित करने की उनकी याचिका इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। उनकी मुख्य अपील पर सुनवाई जारी है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया: सिंध में भी झटके महसूस हुए

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (स्वैस्) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र खुबुदर शहर से 48 किलोमीटर दूर था। इसी साल फरवरी में यहां इतनी ही तीव्रता का भूकंप आया था।

न्यूज़ ट्रेक

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि है। इस तिथि पर देवी दुर्गा के छठे स्वरूप देवी कालायनी की पूजा होती है। इस तिथि पर मूल नक्षत्र और अतिगण्ड योग का विशेष संयोग बन रहा है।

तिथि-सप्तमी -अहोरात्र नक्षत्र-मूल-09:46 तक प्रथम करण-गर -19:11 तक द्वितीय करण -वणिज -29:54 तक पक्ष-शुक्ल-अहोरात्र वार-शनिवार योग-अतिगण्ड - 23:0तक सूर्योदय-06:23 सूर्यास्त-17:48 चंद्रमा-धनु राशि में राहुकाल-09:15:-10:40 विक्रमी संवत-2083 शक संवत-1948-पराभव मास-आश्विन शुभ मुहूर्त-अभिजीत 11:43-12:29

राशिफल

मेघ:आज मन थोड़ा भटका हुआ रह सकता है और काम पर पूरा ध्यान लगाने में परेशानी महसूस होगी।
वृष:आज दिन की शुरूआत थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। काम में मन कम लगेगा।

मिथुन:आज आर्थिक मामलों में परिस्थितियां आपके पक्ष में रह सकती हैं।

कर्क:आज कुछ परिस्थितियां आपको उलझन में डाल सकती हैं, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लेना जरूरी होगा।

सिंह:आज आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा और मेहनत के अच्छे परिणाम मिलने के संकेत हैं।

कन्या:आज आपकी बात करने की शैली और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा, जिससे मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

तुला:आज मन में कुछ नया करने की इच्छा जोर पकड़ सकती है और आप किसी नई योजना पर काम शुरू करने के बारे में सोचेंगे।

वृश्चिक:आज जिम्मेदारियां अधिक रहेंगी और मेहनत भी अपेक्षा से ज्यादा करनी पड़ सकती है।

धनु:आज हर महत्वपूर्ण काम में जल्दबाजी से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर:आज किसी नए काम की शुरूआत के लिए दिन अच्छा रह सकता है।

कुंभ:आज कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना बहुत चुनौती होगा।

मीन:आज सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव महसूस हो सकता है और किसी बात को लेकर मन भी परेशान रह सकता है। पुराने कर्ज या आर्थिक जिम्मेदारी को पूरा करने का दबाव महसूस होगा।

विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए स्थानीय निकायों में सुधारों पर दिया जोर

भारत-जापान स्वच्छ ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में अपना सहयोग बढ़ाएंगे



■ एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए जमीनी स्तर पर, खासकर नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में व्यापक सुधारों की जरूरत है। सीतारमण ने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)-विश्व बैंक की सालाना बैठकों के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने संबोधन में शहरों को निवेश योग्य बनाने के लिए मिलकर काम करना-शहरी और जल अवसंरचना के लिए निजी पूंजी जुटाना



विषय पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि देश को द्वाविकसित भारत 2047 के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए स्थानीय निकायों (शहरी नगरपालिकाओं और ग्राम पंचायतों) में सुधारों को गति देना होगा। सीतारमण ने सरकार के सभी स्तरों पर सुधारों की जरूरतों पर कहा कि भारत सरकार अर्थव्यवस्था को खोलने और वैश्विक पूंजी आकर्षित करने के लिए भी निरंतर कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि भारत की शासन व्यवस्था तीन स्तरों वाली है। इसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय भी शामिल हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि स्थानीय निकायों में शहरी नगरपालिकाएं और ग्राम पंचायतें आती हैं। सीतारमण ने कहा, तीसरा स्तर स्थानीय नगरपालिकाओं, कस्बों की

बाजार में लौटी रौनक, लगातार दूसरे दिन बढ़ा सेंसेक्स, निफ्टी 23,100 के पार

आईटी और बैंकिंग सेक्टर में हुई खरीदारी से निवेशकों की झोली में आए 82,560 करोड़ रुपये

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

वैल्यू बाइंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार लिवाली के दम पर शुरूआती गिरावट से उबरते हुए घरेलू शेयर बाजार शनिवार को सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शानदार बढ़त के साथ बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबार की शुरूआत बढ़त के सात हरे निशान में हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि पहले बीस मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांक निचले स्तर से जबरदस्त रिकवरी करने में सफल रहे।

खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 765 अंक से अधिक ऊपर चढ़ गया। इसी तरह निफ्टी भी निचले स्तर से 235 अंक से अधिक की छलांग लगा कर



करीब तीन सप्ताह बाद एक बार फिर 23,100 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार बंद होने में कामयाब रहा। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.56 प्रतिशत और निफ्टी 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

बाजार में आज आई इस रौनक की वजह से शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में लगभग 82 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया।

स्टारलिनक बोली-हम 5 सालों से भारत में काम कर रहे

हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार, मंजूरी मिलने का इंतजार

इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिनक ने कहा है कि वह भारत में हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पर एक बयान शेयर करते हुए बताया कि वह पिछले 5 सालों से भारतीय रेगुलेटर्स, इंडस्ट्री और ऑपरेटर्स के साथ मिलकर काम कर रही है।

इससे पहले इलॉन मस्क ने भारत में लाइसेंस मिलने में हो रही देरी को लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर सीधा हमला बोला था। मस्क की बयानबाजी के बाद रिलायंस ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया था। इसमें रिलायंस ने साफ किया था कि भारत में कानून का राज है और सभी आवेदकों के लिए एक ही प्रक्रिया लागू होती है।

मस्क का आरोप- क्या अंबानी भारत के असली बॉस हैं

स्टारलिनक के बयान से पहले एलेन मस्क ने डू पर रिलायंस और मुकेश अंबानी को लेकर लगातार कई विवादिष्ट पोस्ट किए थे। 7 अक्टूबर को मस्क ने बिना किसी का नाम लिए लिखा कि कुछ भारतीय कारोबारी स्टारलिनक के अफ़्कवल को रोक रहे हैं, जो भारत की जनता के खिलाफ अपराध है।

इसके अगले ही दिन मस्क ने सीधा हमला बोलते हुए मुकेश अंबानी पर तंज कसा। मस्क ने लिखा- ्या अंबानी भारत के असली बॉस हैंडू स्टारलिनक को दुनिया के 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और हम 5 साल से भारत सरकार के हर कानून का पालन कर रहे हैं, फिर भी अब तक लाइसेंस क्यों नहीं मिलाडू- मस्क ने एक अन्य पोस्ट में अंबानी को ्राइम मिनिस्टर अंबानी% तक कह दिया और आरोप लगाया कि वे अपनी एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं।



रिलायंस का पलटवार- नियम सबके लिए समान

मस्क के आरोपों का जवाब देते हुए रिलायंस ने बयान जारी किया था। रिलायंस ने कहा कि हल ही में रिलायंस और भारतीय बाजार को लेकर की गई टिप्पणियों को लेकर हम सही तथ्य रिकॉर्ड पर रखना चाहते हैं। हर भारतीय एंटरप्राइज की तरह रिलायंस भी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ी है, जो निवेश और इन्वेस्टमेंट का स्वागत करता है चाहे वह घरेलू हो या अंतरराष्ट्रीय

रिलायंस ने आगे कहा कि भारत सरकार जैसा कि कह चुकी है, वह हर आवेदक के लिए चाहे वह भारतीय हो या विदेशी, एक ही प्रक्रिया लागू करती है। खुद जिओ की सैटेलाइट सर्विसेज भी अभी अफ़्कवल और क्लीयरेंस का इंतजार कर रही हैं।+

रिलायंस- हम कॉम्पिटिशन से नहीं डरते

स्टारलिनक का कॉम्पिटिशन में स्वागत करते हुए रिलायंस ने कहा कि वह कॉम्पिटिशन से कभी नहीं घबराती। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि हम सैटेलाइट कम्युनिकेशन में स्टारलिनक समेत सभी कंपनियों के कॉम्पिटिशन का स्वागत करते हैं। जिओ समेत हर प्लेयर को

भारत के लोगों की सेवा करनी चाहिए और देश के कानूनों और नीतियों का पालन करना चाहिए।

संचार मंत्रालय की सफाई- नियम सब के लिए बराबर

मस्क के सोशल मीडिया पर बयानबाजी शुरू करने के बाद भारत के संचार मंत्रालय ने भी इस मुद्दे पर स्थिति साफ की थी। मंत्रालय ने मस्क का सीधे तौर पर नाम लिए बिना कहा कि भारत का सैटेलाइट कम्युनिकेशन फ्रेमवर्क पूरी तरह से निष्पक्ष है।

स्टारलिनक- हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह तैयार

रिलायंस और सरकार के बयानों के बीच स्टारलिनक ने अपनी तैयारी को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। स्टारलिनक ने डू पर लिखा कि हमने 5 सालों तक भारत में रेगुलेटर्स और इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम किया है। हमने आवश्यक सरकारी अनुमतियों के साथ देश के भीतर ही गेटवे और डेडिकेटेड सिस्टम बनाए हैं ताकि भारतीय यूजर्स का डेटा सुरक्षित रहे।

कंपनी का कहना है कि उसका इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह तैयार है और लाइसेंस मिलते ही वह भारत के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों में हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाने के लिए

तुरंत सेवाएं शुरू कर सकती है।

सरकार बोली स्टारलिनक सहित 3 कंपनियों को लाइसेंस दिए

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026% में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सांध्या ने सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने बताया कि देश में तीन सैटेलाइट इंटरनेट कंपनियों को लाइसेंस मिल चुके हैं।

- रिलायंस जियो सैटकॉम
- भारती एयरटेल सपोटेड यूटेलसेट वनवेब
- इलॉन मस्क की स्टारलिनक

हालांकि, सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि लाइसेंस पाने वाली इन सभी कंपनियों की सिस्क्वेरिटी क्लीयरेंस अभी बाकी है। इसके अलावा सैटेलाइट स्पेक्ट्रम का प्राइसिंग फ्रेमवर्क भी तय किया जा रहा है। सभी जरूरी शर्तें पूरी होने के बाद ही भारत में ये सेवाएं शुरू हो सकेंगी।

स्पेक्ट्रम का आवंटन- सैटेलाइट इंटरनेट चलाने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी यानी स्पेक्ट्रम की जरूरत होती है। सरकार को तय करना होता है कि कंपनियों को यह कैसे मिलेगा और इसके लिए कितना पैसा देना होगा। जियो चाहती थी कि स्पेक्ट्रम की नीलामी हो, जबकि एयरटेल और वनवेब चाहती थीं कि सरकार इसे सीधे आवंटित करे। आखिरकार सरकार ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट, 2023 के तहत सीधे आवंटन का रास्ता चुना। सुरक्षा और निगरानी- सरकार यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि स्टारलिनक भारतीय कानूनों का पालन करे। जरूरत पड़ने पर एजेंसियां नेटवर्क पर नजर रख सकें, कानूनी प्रक्रिया के तहत बातचीत या डेटा को इंटरसेप्ट कर सकें और सुरक्षा से जुड़े निर्देश लागू करा सकें। सैटेलाइट इंटरनेट में डेटा का रास्ता सामान्य मोबाइल नेटवर्क से अलग हो सकता है।

प्रियागोल्ड बिस्किट में जानवरों का चोकर

डोडला के दूध में डिटर्जेंट, किशमिश में पेस्टीसाइड मिला; FSSAI ने 3 कंपनियों पर केस दर्ज कराया

नई दिल्ली

FSSAI को बिस्किट में जानवरों के खाने वाला चोकर, दूध में डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा और किशमिश में खतरनाक पेस्टीसाइड के अवशेष मिले हैं। सख्खट्ट ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इन तीनों कंपनियों पर मामला शुरू करने की जानकारी दी है।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी सख्खट्ट ने खाने-पीने की चीजों में गंभीर गड़बड़ी मिलने के बाद तीन बड़ी कंपनियों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज कराया है। इनमें प्रियागोल्ड बिस्किट बनाने वाली कंपनी %सूर्या फूड एंड एग्रो%, %डोडला डेयरी% और %श्वदूक ऑर्गेनिक फूड्स% शामिल हैं।

प्रियागोल्ड बिस्किट फाइबर बढ़ाने के लिए मवेशियों का चोकर मिलाया

सख्खट्ट को एक ग्राहक से शिकायत मिली थी कि प्रियागोल्ड बिस्किट बनाने में लापरवाही बरती जा रही है। शिकायत के बाद जब फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स ने सूर्या फूड एंड एग्रो के प्लांट का निरीक्षण किया, तो वहां खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता की गंभीर कमियां सामने आईं।

जांच रिपोर्ट के अनुसार कंपनी बिस्किट में फाइबर का सॉर्स बढ़ाने



के लिए जिस चोकर का इस्तेमाल कर रही थी, वह इंसानों के खाने के लायक नहीं था। वह चोकर मवेशियों के चारे के लिए तैयार किया गया था। इसके अलावा प्लांट में साफ-सफाई, पेस्ट कंट्रोल, कर्मचारियों की स्वच्छता और चीजों के रख-रखाव में भी अनियमितताएं पाई गईं। सख्खट्ट ने पहले कंपनी का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया था और अब अदालत में मुकदमा चलाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मवेशियों के चोकर से नुकसान- मायकोटॉक्सिन और फंगल इंफेक्शन का खतरा, पाचन संबंधी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

डोडला डेयरी: फुल क्रीम दूध में मिला डिटर्जेंट और कास्टिक सोडा

दूसरा मामला डोडला डेयरी से जुड़ा है। सख्खट्ट की टीम ने जांच के लिए डोडला डेयरी के %फुल क्रीम मिल्क% का सैंपल लिया था। फूड एनालिसट ने शुरूआती जांच में दूध में फैट की मात्रा तय सीमा से कम पाए जाने पर इसे सब-स्टैंडर्ड यानी घटिया गुणवत्ता का घोषित किया था। कंपनी ने इस फैसले के खिलाफ अपील की, जिसके बाद सैंपल को %रेफरल फूड लैबोरेटरी% भेजा



'कांदा एक्सप्रेस' 440 मीट्रिक टन प्याज लेकर कल तक पहुंचेगी अगरतला

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार त्योहारी सीजन में प्याज की उपलब्धता को बाजार में बढ़ाने और किफायती दाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लगभग 440 मीट्रिक टन प्याज की पहली खेप पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए भेजी है, जो 18 अक्टूबर तक अगरतला पहुंचेगी।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और किफायती दाम सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत बफर प्याज के वितरण का विस्तार कर रहा है। इसी क्रम में पहली बार कांदा एक्सप्रेस के जरिए त्रिपुरा के अगरतला के लिए ये प्याज भेजा जा रहा है। लगभग 440 मीट्रिक टन प्याज से भरी यह खेप 18 अक्टूबर तक अगरतला

पहुंचने की उम्मीद है।

मंत्रालय ने कहा कि त्रिपुरा में प्याज के वितरण को मजबूत करने के लिए कांदा एक्सप्रेस सेवा शुरू की जाएगी। इस पहल से त्रिपुरा के आठ जिलों में से 7 जिलों धलाई, दक्षिण त्रिपुरा, खोवाई, उनाकोटी, पश्चिम त्रिपुरा, गोमती और सेपाहिजाला में बाजार पहुंच बढ़ने की उम्मीद है।

अब तक कांदा एक्सप्रेस की दो रेक (जिनमें क्रमशः 840 मीट्रिक टन और 452 मीट्रिक टन प्याज भरा गया था) और 44 ट्रकों (जिनमें कुल 1,513.46 मीट्रिक टन प्याज था) के माध्यम से पूर्वोत्तर में बफर प्याज की आपूर्ति की जा चुकी है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि असम, त्रिपुरा और नागालैंड के प्रमुख स्थानों, जिनमें कामरूप, गुवाहाटी, गोमती, दीमापुर, सेपाहिजाला, कोहिमा, निउलैंड और चुमौकेदिमा तक प्याज का वितरण भी हो चुका है।



की घोषणा के बाद कंपनी के शेयरों में करीब 4% का इजाफा हुआ। हालांकि, विप्रो में कमजोर डील बुकिंग और आने वाले कुछ दिनों में सुस्त नजरिये को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

हालिया बढ़त से संकेत मिलता है कि निवेशक सभी मांग संबंधी चिंताओं का समाधान मानकर नहीं चल रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक एआई व्यापार में आई कमजोरी इस हफ्ते भारतीय आईटी शेयरों के बेहतर प्रदर्शन का एक कारण रही है।

सही किचन रैक और ऑर्गेनाइजर कैसे चुनें?



वर्षा एम। नोएडा।

किचन को व्यवस्थित रखने के लिए ऐसे रैक या ऑर्गेनाइजर चुनें, जो जगह के हिसाब से सही हों और रोजमर्रा के काम को आसान बनाएं। खरीदने से पहले अपनी नक़्क़त, उपलब्ध जगह, सामान और स्टाफ-स्पेस का भी ध्यान रखें।

किचन रैक चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

- ज़रूरत के अनुसार चुनें:** मल्टी-टियर रैक, बर्तन के लिए डिश रैक और छोटी कटलरी के लिए ड्राइअर डिवाइडर चुनें।
- जगह का सही माप लें:** रैक की लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई माप लें ताकि आसानी से फिट हो।
- सही सामग्री चुनें:** स्टेनलेस स्टील, लकड़ी, बॉस के रैक, प्लास्टिक ऑर्गेनाइजर चुनें।
- मजबूती जाँचें:** रैक की ख़ज़न उठाने की क्षमता और स्थिरता को जरूर जाँचें।
- स्पेस का ध्यान रखें:** ऐसे रैक चुनें, जिनमें आसानी से साफ़ किया जा सके। डिश रैक से पानी निकलना चाहिए।



छोटे किचन के लिए उपयोगी ऑर्गेनाइजर

- वॉल-माउंटेड रैक:** दीवार पर बर्तन, कप और मसाले रखने के लिए।
- मल्टी-टियर रैक:** मसाले, तेल और रोजमर्रा की चीज़ों को व्यवस्थित रखने के लिए।
- किचन टॉप रैक:** काउंटर पर अतिरिक्त स्टोरेज बनाने के लिए।
- औवर-अ-सिंक डिश रैक:** सिंक पर बर्तन सुखाने के लिए।
- अंडर-सिंक ऑर्गेनाइजर:** सिंक के सामान को व्यवस्थित रखने के लिए।
- स्टेवबल शेल्फ:** अलमारी में खाली स्पेस के लिए।
- ड्राइअर डिवाइडर:** चम्मच, कांटे, छोटे औज़ार के लिए।



फेस्टिव फैशन 2026 त्योहारों पर छाएंगे एथनिक वियर के नए अंदाज

मानसी पुजारा। mansipujara2205@gmail.com त्योहारों पर फैशन का अंदाज़ बदल रहा है। नवरात्रि, दिवाली, पूजा और पारिवारिक समारोहों के लिए ऐसे कपड़े पसंद किए जा रहे हैं, जिन्हें अलग-अलग मौकों पर पहना जा सके। इस सीजन गहरे रंग, बारीक कढ़ाई, पारंपरिक प्रिंट, लहराते डिजाइन और मैचिंग एथनिक सेट चलन में हैं।



- जुगल टोन का ट्रेंड:** त्योहारों के सीजन में डार्क पर्पल, सफ़रपर ग्रीन, बर्गुंडिया और वाइन जैसे रंग पसंद किए जा रहे हैं। टॉपल प्रिंट पर रेशम की कढ़ाई, सीक्विन और ब्रैकेड की किनारी इसे खास बना देती है। ऐसे हल्के कपड़े दिन के त्योहारों और पारिवारिक समारोहों के लिए अच्छे विकल्प हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा सजे हुए भी खूबसूरत दिख सकते हैं।

- कुर्ता सेट है सबसे पसंदीदा ट्रेंड:** त्योहारों के लिए कुर्ता सेट आज भी पसंदीदा विकल्प है, क्योंकि इसे पहनना आसान और आरामदायक होता है। आइवरी, चंदेरी जैकार्ड कुर्ता सेट पर गोटा लेस, कपड़े के लटकन और हल्की सीक्विन सजावट इसे खूबसूरत बनाती है। पूजा, पारिवारिक लंच और छोटे समारोहों के लिए अच्छा विकल्प है।



- डिटेल्ड एंथ्रोसडरी:** बारीक कढ़ाई और छोटे-छोटे डिजाइन पसंद किए जा रहे हैं। पिस्ता ग्रीन कलर के कौटन आउटफिट पर रेशम की कढ़ाई, सीक्विन और ब्रैकेड की किनारी इसे खास बना देती है। ऐसे हल्के कपड़े दिन के त्योहारों और पारिवारिक समारोहों के लिए अच्छे विकल्प हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा सजे हुए भी खूबसूरत दिख सकते हैं।



- प्रिंटेड एथनिक वियर:** इस सीजन प्रिंटेड एथनिक वियर भी त्योहारों के लिए पसंद किए जा रहे हैं। टील ब्लू का सिल्क स्ट्रेट कुर्ता अपने खूबसूरत प्रिंट और शाइनिंग फैब्रिक के कारण खास दिखता है। इसे स्ट्रेटमेंट ड्रैपरिंस, फैब्रिक बैग और खूबसूरत फुटवियर के साथ पहनकर पैमिली डिनर या त्योहार के लंच के लिए तैयार हुआ जा सकता है।



- ए-लाइन कुर्ते का ट्रेंड:** ए-लाइन कुर्ते पसंद किए जा रहे हैं। इनका घेरदार डिजाइन पहनने में आरामदायक होता है और चलने-फिरने में भी आसानी रहती है। बरगंडी के शर्टन कुर्ते पर पारंपरिक फैब्रिक प्रिंट, रेशम की कढ़ाई और सीक्विन की सजावट इसे खास बनाती है। यह कुर्ता शाम के समारोहों के साथ दिन के छोटे आयोजनों के लिए भी अच्छा विकल्प है।

- आरामदायक होता है।** आइवरी, चंदेरी जैकार्ड कुर्ता सेट पर गोटा लेस, कपड़े के लटकन और हल्की सीक्विन सजावट इसे खूबसूरत बनाती है। पूजा, पारिवारिक लंच और छोटे समारोहों के लिए अच्छा विकल्प है।

चांदी के बर्तन व फूलों से सजाएं डाइनिंग टेबल



पी धनेश। थंडीगढ़

त्योहारों पर डाइनिंग टेबल को खास बनाने के लिए ट्रेडिशनल इंडियन और मॉडर्न डिजाइन का मेल आजमा सकते हैं। पुरानी चांदी की क्रांकीरी, हेड मेड टेबल रनर, फूलों की सजावट और खास सिरेमिक बर्तनों से टेबल को पर्सनल टच दिया जा सकता है।



- चांदी के बर्तन:** पुराने चांदी के कटोरे, सर्विंग बाउल और ट्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं। टेबल पर सादे रंग की क्रांकीरी के साथ रखने से टेबल की बेलेस्ट लुक मिलता है।

- हाथ में घुने टेबल रनर:**

टेबल रनर और नेपकिन सजावट को नया रूप दें। खादी, लिनान या राथ से बुने कपड़ों के रनर चुनें। ट्रेडिशनल प्रिंट फैब्रिक चुन सकते हैं।

- सिरेमिक क्रॉकरी:** हाथ से बने सिरेमिक बाउल, प्लेट और सर्विंग डिश चुनें। अदो, ब्लू, व्हाइट या ग्रीन क्रांकीरी टेबल लिनान के साथ सजा सकते हैं। टेबल को अलग लुक मिलेगा।



- मीमवर्तियां:** शाम की मेजबानी के लिए कुछ मोमबत्तियां, पौतल या कांच के कैंडल होल्डर चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि मोमबत्तियां सुरक्षित दूरी पर हों।

- पौतल और लकड़ी:** पौतल की छोटी कटोरीयां, लकड़ी के सर्विंग बोर्ड और ट्रे टेबल रखें। इनका इस्तेमाल मिठाइयां, सूखे मेवे या स्नेक्स परखने के लिए भी कर सकते हैं।

- छोटी चीजों पर ध्यान दें:** कपड़े के नेपकिन को नेपकिन रिंग से सजाएं। मेहमानों की प्लेट के पास छोटा फूल रखें। ऐसे छोटी चीजों में मेहमानों को ख़ास महसूस कराती है।

- ट्रेडिशनल और मॉडर्न:** पुरानी चांदी की ट्रे के साथ मॉडर्न सिरेमिक प्लेट्स या ट्रेडिशनल टेबल रनर के साथ सादे कांच के गिलास रखें। रंग और सामन में संतुलन बनाएं।

चैहरे जिनके जिक्र के बिना दुनिया अधूरी

एमिनेम, हिप-हॉप को मुख्यधारा के संगीत में नई पहचान दिलाने वाले रैपर

एमिनेम अमेरिका के मशहूर रैपर, गीतकार और संगीतकार हैं, जिनका असली नाम मार्शल ब्रूस मैथर्स तृतीय है। अपने तेज़ रैप, बेबाक गीतों और लूज योरसेल्फ जैसे लोकप्रिय गानों के लिए पहचाने जाने वाले एमिनेम दुनिया के सबसे प्रभावशाली रैप कलाकारों में गिने जाते हैं।

एमिनेम

शिक्षा-

एमिनेम का जन्म अमेरिका के मिस्सौरी राज्य में हुआ था। बाद में उनका परिवार मिशिगन चला गया, जहाँ उन्होंने लिंकन हाई स्कूल में पढ़ाई की। नौवीं कक्षा में तीन बार असफल होने के बाद उन्होंने 17 साल की उम्र में स्कूल छोड़ दिया। बचपन से ही उन्हें रैप संगीत में दिलचस्पी थी और उन्होंने कम उम्र में ही रैप प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था।

योगदान-

एमिनेम ने रैप संगीत को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने गीतों के जरिए युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल की और इस संगीत शैली को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँचाया। उन्होंने शेडी रिक्वैस्ट्स नाम से अपना संगीत लेबल शुरू किया, जिससे नए कलाकारों को आगे बढ़ने का मौका मिला। उनके गीतों और रैप ने संगीत की दुनिया में नई मिसाल कायम की।



रैप प्रतियोगिता से खुला सफलता का रास्ता

1997 में एमिनेम ने लॉस एंजेलिस में आयोजित रैप ओलंपिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। वह दूसरे स्थान पर रहे। उनकी प्रतिभा ने संगीत जगत के लोगों का ध्यान खींचा। इंटरस्कोप रिकॉर्ड्स के अधिकारी जिमी आयोशिन तक उनकी रिकॉर्डिंग पहुँची, जिन्होंने इसे मशहूर रैपर और संगीत निर्माता डॉ. ड्रे को सुनाया। डॉ. ड्रे उनके रैप करने के अंदाज़ से प्रभावित हुए और साथ काम करने का फैसला किया।

'द स्लिम शेडी एलपी' ने दिलाई ग्लोबल पहचान

1999 में 'द स्लिम शेडी एलपी' रिलीज हुआ। यह उनका पहला बड़ा रिकॉर्ड कंपनी वाला एल्बम था और इसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उनके गीतों में निजी अनुभव, व्यंग्य और बेबाक अंदाज़ देखने को मिला, जिसने उन्हें दूसरे रैप कलाकारों से अलग बनाया। इस एल्बम के लिए उन्हें साल 2000 में ग्रैमी पुरस्कार मिला। उनकी लोकप्रियता तेज़ी से बढ़ी।



2005 के एयर मैनेजमेंट टूर पर परफॉर्मिंग करते हुए एमिनेम...

'लूज योरसेल्फ' के लिए जीता ऑस्कर

साल 2002 में एमिनेम ने फिल्म '8 माइल' में अभिनय किया, जो एक ऐसे युवा की कहानी है, जो मुश्किल परिस्थितियों के बीच रैप संगीत में पहचान बनाने की कोशिश करता है। उन्होंने फिल्म के लिए 'लूज योरसेल्फ' गीत लिखा और गाया। 2003 में इस गीत के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत का ऑस्कर मिला। वह यह सम्मान पाने वाले पहले हिप-हॉप कलाकार बने।

नशे की लत से जूझकर संभाली अपनी जिंदगी

करियर में बड़ी सफलता हासिल करने के बावजूद एमिनेम को निजी जिंदगी में गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दिसंबर 2007 में दवा की अधिक मात्रा लेने के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। इस घटना ने उन्हें अपनी सेहत पर ध्यान देने और नशे की लत से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इलाज और लगातार प्रयास के जरिए अपनी जिंदगी को दोबारा संभाला।

'रिकवरी' एल्बम से की शानदार वापसी

नशे की लत से उबरने के बाद एमिनेम ने फिर से संगीत पर ध्यान दिया। 2010 में उनका एल्बम 'रिकवरी' रिलीज हुआ, जिसमें उन्होंने अपने संघर्षों और नई शुरुआत के अनुभवों को जगह दी। यह एल्बम उस साल दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाला एल्बम बना और इसके लिए उन्हें 2011 में ग्रैमी पुरस्कार मिला। इसकी सफलता से उनकी वापसी हुई।

17 जनवरी 2020

को एल्बम म्यूजिक टू बी मर्डर्ड बाय रिलीज हुआ।

13 फरवरी 2022

में सुपर बाउल के हाफ टाइम शो में डॉ. ड्रे, स्नूप डॉग, मैरी जे. ब्लाइनज और केड्रिक लैमर के साथ प्रस्तुति दी।

5 नवंबर 2022

में रॉक एंड रोल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

VEDIC ASTROLOGY
DR. AJAI BHAMBI
ASTROLOGER
ajaiastro@yahoo.com

भविष्यफल वैदिक सूर्य राशि पर आधारित है।

जन्म कुंडली वैदिक ज्योतिष के आधार पर बनती है। जन्म दिनांक से कुंडली में सूर्य स्थान देखते तो ख़ी होगा जो यहाँ लिखा गया है। जाति अपना आज का राशिफल।

किसी को किज़ल ख़र्च से नुक़सान हो सकता है, तो किसी के लिए घर बदलने का समय उपयुक्त है। किसी का करियर संक़रेगा, तो किसी का वैवाहिक जीवन सुख़द रहेगा।

जानिए कैसे रहेगा आज आपका दिन।

वास्तु अमित मिश्रा, वास्तु सलाहकार, भोपाल

घर-दफ़्तर आदि से संबंधित वास्तु दोषों को लेकर लोगों के मन में कई आशंकाएँ हैं। ऐसी आशंकाओं का समाधान यहाँ प्रस्तुत है आप भी अपने घर-दफ़्तर के वास्तु दोषों के लिए समाधान यहाँ पा सकते हैं।

निवेश में लाभ के लिए भी वास्तु के नियम होते हैं उपयोगी

शेयर बाज़ार ऐसा क्षेत्र है, जहाँ सफलता केवल आंकड़ों और विश्लेषण पर निर्भर नहीं करती, बल्कि निर्णय लेने की क्षमता, मानसिक संतुलन, धैर्य व जेखिम प्रबंधन भी महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही वास्तु के नियमों का पालन करना भी आपको लाभ दे सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कार्यक्षल का वातावरण व्यक्ति के विचारों, प्रकाशता व कार्यशैली को प्रभावित कर सकता है। शेयर ट्रेडिंग में सही समय पर सोच-समझकर निर्णय लेना आवश्यक है। ऐसे में कार्यस्थल को व्यवस्थित व अनुकूल बनाकर सकारात्मक वातावरण तैयार हो सकता है।

• बैठने की दिशा

वास्तु के अनुसार, ट्रेडिंग में उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठना शुभ और लाभकारी होता है। स्मरण रहे कि उत्तर दिशा धन के देवता कुबेर से जुड़ी है, जबकि पूर्व दिशा नई ऊर्जा और प्रगति का प्रतीक है। घर के उत्तर, उत्तर-पूर्व (ईशान) या पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में ट्रेडिंग सेटअप कर सकते हैं।

• स्वच्छता और व्यवस्था

ट्रेडिंग टेबल पर अनावश्यक कागज़ात व अनुपयोगी वस्तुएँ जमा न होने दें।

डिमेंट खाते से संबंधित दस्तावेज़, निवेश की डायरी व अन्य महत्वपूर्ण कागज़ात व्यवस्थित रखें। उत्तर दिशा में छोटे फलों वाला हरा पौध रखना वास्तु की दृष्टि से शुभ है।

इन बातों से बचें

- वास्तु मान्यताओं के अनुसार, दक्षिण दिशा की ओर मुख करके ट्रेडिंग न करें। इसी तरह, बैठने की जगह के ठीक ऊपर भारी वजन होने से बचने की सलाह दी जाती है। आग्नेय कोण में पानी या नीले रंग का अत्यधिक प्रयोग भी वास्तु के अनुसार अनुकूल नहीं माना जाता।
- पश्चिम दिशा का महत्व** वास्तु में पश्चिम दिशा लाभ व प्राप्ति से जुड़ी है। दीर्घकालिक निवेश या रिस्कि ट्रेडिंग करने वाले लोग अपने अध्ययन कक्ष के पश्चिमी हिस्से को साफ-सुथरा रख सकते हैं। निवेश संबंधी दस्तावेज़ भी यहाँ व्यवस्थित रखे जा सकते हैं।

• रंगों का चयन

ट्रेडिंग कक्ष की दीवारों और मेज़ के लिए हल्का हरा, क्रीम या हल्का नीला रंग चुना जा सकता है। वास्तु में हरे रंग को शुद्ध व समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अत्यधिक चमकीले या गहरे रंगों से बचें।

डीसी को बड़ा झटका! मिचेल ने खेलने पर नहीं लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के पहले दिवसी कैपिटल्स की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अगले सत्र में खेलने को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं किया है। ख़ालिया रिपोर्टों के मुताबिक, स्टार्क टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देते हुए अपने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम और शारीरिक फिटनेस को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहते हैं। ऐसे में दिल्ली की टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाज की उपलब्धता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। स्टार्क अपने करियर में कई बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आगम्य को प्राथमिकता दे चुके हैं। वह 2016 से 2023 तक आईपीएल में नहीं खेले थे। इस दौरान उन्होंने फिटनेस बनाए रखने, मानसिक रूप से तरोताजा रहने और परिवार के साथ समय बिताने पर ध्यान दिया। वर्ष 2024 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ लीग में वापसी की और बाद में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ गए। अब 2027 के सत्र में उनकी भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

चाइना ओपन जीतने के बाद झोंग किनवेन को बड़ा झटका!

कंधे की चोट ने रोकी रफ़्तार, जापान ओपन से हटने का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झोंग किनवेन को कंधे की चोट के कारण एक और बड़ा टूर्नामेंट छोड़ना पड़ा है। चान्ना ओपन का खिताब जीतकर शानदार वापसी करने वाली झोंग अब जापान ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी। इससे पहले वह जुलून ओपन से भी अपना नाम वापस ले चुकी थी। लगातार मुकाबलों और चोट से वापसी के बाद शरीर पर बढ़ते दबाव को इस फैसले की प्रमुख वजह माना जा रहा है।

झोंग ने हाल ही में चान्ना ओपन का खिताब जीतकर अपने करियर की बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बनीं। उन्होंने प्रतिभागीता में चक्रेडकार्ड के जरिए प्रवेश किया और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब अपने नाम किया। खिताबी सफर के दौरान झोंग ने क्वार्टर फाइनल में एलिना स्विटोलिन, सेमीफाइनल में एलिस मर्टेंस और फाइनल में वीवा एंड्रिया को हराया। सात मुकाबलों में उन्होंने कुल 15 सेट और 16 मिनट कोर्ट पर बिताए। यह लंबा कार्यक्रम उनकी शारीरिक क्षमता की बड़ी परीक्षा साबित हुआ।

झोंग ने जुलून ओपन से हटने की घोषणा करते हुए निराशा ज़ाहिर की थी। जुलून उनके गुरुक्षेत्र से जुड़ा है और उनके टेनिस करियर में इस शहर का खास महत्व रहा है। उन्होंने कहा था कि वह अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए हमेशा उत्साहित रहती हैं। चोट से वापसी के बाद पिछले डेढ़ महीने में उन्होंने अमेरिकी ओपन, विली जीम किंग कप और चान्ना ओपन जैसे महत्वपूर्ण मुकाबलों में हिस्सा लिया था। झोंग के अनुसार, लगातार कठिन मैच खेलने के बाद उनका शरीर काफी थक गया था। ऐसे में आराम करना जरूरी हो गया। टोरंटो में ख़ालीफाहंग मुकाबले में हार के बाद झोंग ने अपने अगले 14 टूर स्वर के मैचों में से 13 जीते। इस शानदार प्रदर्शन ने उनके ख़ासिना की मजबूत किया था। हालांकि, कंधे की परेशानी ने उनकी आगे की योजनाओं पर असर डाला है।

अब हांगकांग ओपन पर रहेगी निगाहें

झोंग के लिए अब नवंबर में होने वाला डब्ल्यूटीए 250 यूएसशियल ख़ांगकांग टेनिस ओपन महत्वपूर्ण हो सकता है। हालांकि, उनकी वापसी चोट से खबर ने और फिटनेस की स्थिति पर निर्भर करेगी। फिलहाल चीनी स्टार के लिए प्राथमिकता कंधे को पूरी तरह ठीक करना और बिना जल्दबाजी के कोर्ट पर लौटना है। चान्ना ओपन की ऐतिहासिक जीत के बाद अब उनके प्रशंसकों को उनकी वापसी का इंतजार रहेगा।

विमेंस -17 फुटबॉल वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन कल से

6 खिताब एशियाई देशों ने जीते, इनमें उत्तर-कोरिया 4 बार चैंपियन; भारत एक बार खेला

महिला फुटबॉल का सबसे बड़ा यूथ टूर्नामेंट आज से शुरू हो रहा है। फिफा -17 महिला वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन शनिवार से मोरक्को में खेला जाएगा। 24 टीमों के बीच 22 दिनों तक खिताबी भिड़त होगी। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन उत्तर कोरिया लगातार तीसरी ट्रॉफी जीतने उतरेगा। भारत इस एडिशन का हिस्सा नहीं है। टीम सिर्फ एक बार 2022 में खेली थी। इस स्टोरी में जानिए कौन-सी टीम किस ग्रुप में है, टूर्नामेंट पहली बार कब खेला गया, कौन-सी टीम कितनी बार चैंपियन बनी और 2022 में भारत का प्रदर्शन क्या रहा था।

24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया
टूर्नामेंट में 24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की टॉप-2 टीम सीधे राउंड ऑफ 16 में जाएगी। साथ ही सभी ग्रुप से मिलाकर बेस्ट 4 थर्ड-प्लेस टीमें

FIFA विमेंस U-17 वर्ल्ड कप 2022			
भारत का परफॉर्मेंस			
	अमेरिका से:	0-8	हार
	मोरक्को से:	0-3	हार
	ब्राजील से:	0-5	हार
	कुल:	3 मैच, 0 जीत, 0 गोल, 16 गोल खाए	

भी अगले राउंड के लिए क्वालिफाई होंगी। सभी मैच रबात के मोहम्मद-6 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होंगे। वहीं ब्रॉन्ज और फाइनल प्रिंस मोले एल हसन स्टेडियम में खेला जाएगा।

2008 में 16 टीमों से शुरू

हुआ सफर
17 महिला वर्ल्ड कप की शुरुआत 2008 में न्यूज़ीलैंड में हुई थी। तब से 2024 तक टूर्नामेंट हर 2 साल में होता था। 2025 से इसे सालाना कर दिया गया है। मोरक्को को 2025 से 2029 तक लगातार पांच एडिशन की मेजबानी

दी गई है। यह फिफा के इतिहास में किसी एक देश को मिला ऐसा पहला अवसर है। पहले टूर्नामेंट 16 टीमों के साथ होता था, लेकिन 2025 से टीमों की संख्या बढ़ाकर 24 कर दी गई।

उत्तर कोरिया सबसे ज्यादा 4 बार चैंपियन बना
उत्तर कोरिया ने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता है। टीम 2008, 2016, 2024 और 2025 में चैंपियन बनी। टीम ने पिछले साल 2025 में नीडरलैंड को 3-0 से हराकर लगातार ट्रॉफी जीताई। स्पेन ने भी 2018 और 2022 में 2 बार खिताब अपने नाम किया। साउथ कोरिया, फ्रांस और जापान ने एक-एक बार ट्रॉफी उठाई है।

भारत होस्ट नेशन के तौर पर 2022 में खेला
भारत ने 2022 में होस्ट नेशन के रूप में अपना एकमात्र वर्ल्ड कप खेला। हालांकि टीम अपने तीनों

ग्रुप मुकाबले हार गई। टीम को ग्रुप में अमेरिका से 0-8, मोरक्को से 0-3 और ब्राजील से 0-5 से हार झेलनी पड़ी थी। टीम टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं कर सका, जबकि 16 गोल खाए।

पुर्तगो रिको ने पहली बार फिफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया
इस बार पुर्तगो रिको पहली बार किसी भी फिफा वर्ल्ड कप में खेलेगी। टीम ने पुरुष या महिला कैटेगरी में पहली बार क्वालीफाई किया है। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया भी पहली बार विमेंस -17 के इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं।

कहां देख सकते हैं मुकाबले
-17 विमेंस वर्ल्ड कप 2026 के सभी 52 मैच हज्जज प्लेटफॉर्म ईह पर फी में देखे जा सकते हैं। फिफा+ ऐप और वेबसाइट पर भी मैच स्ट्रीम किए जाएंगे। भारत में इसका कोई आधिकारिक टीवी ब्रॉडकास्टर घोषित नहीं हुआ है।

दीप्ति शर्मा और निकी ने जिम्बाब्वे से छीनी जीत

रायपुर, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 इंटरनैशनल मुकाबले में चार विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि, रायपुर में शुरूआत को खेले गए इस मैच में मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 11.5 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 19 रन तक अपने चार विकेट खंदा दिए थे। ऐसा लग रहा था कि जिम्बाब्वे की टीम बड़ा उल्टफेर कर सकती है, लेकिन दीप्ति शर्मा और निकी प्रसाद ने मोर्चा संभालकर भारत को जीत दिला दी।

जिम्बाब्वे की दृढ़ हथ की स्थिर न्याय ग्वंडुग भारतीय बल्लेबाजों के लिए मुश्किल बनकर आई। उन्होंने 18 रन देकर तीन विकेट झटकते और भारत के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। शुरूआती झटकों के बाद भारतीय टीम दबाव में आ गई और मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। मुश्किल हालात में दीप्ति शर्मा और निकी प्रसाद ने निम्मेदारी संभाली। दोनों ने अहम सालेन्दरी नरके भारतीय पारी को संभाला और जीत की राह आसान की। दीप्ति ने 49 रन की शानदार पारी खेली,

जिम्बाब्वे ने भी दिखाई बल्लेबाजी में दम

इससे पहले जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 114 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज केसिरा म्बलोपु ने 44 गेंदों पर 42 रन बनाए, जबकि शार्न मैयर्स 33 गेंदों पर 43 रन बनाकर नाबाद रहीं। दोनों ने अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। भारत की ओर से नर्दिनी शर्मा ने 11 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि श्री घरणी को एक साफलता मिली। जिम्बाब्वे की गेंदबाजी ने लक्ष्य का बचाव करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआती झटका दिए, लेकिन दीप्ति और निकी की साझेदारी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

जबकि निकी 39 रन बनाकर नाबाद लक्ष्य। दोनों की पारियों की बदौलत भारत ने 15।4 ओवर में छह विकेट खींचकर 116 रन बना लिए। इस तरह टीम इंडिया ने चार विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया और लक्ष्य से जुड़े दबाव को पीछे छोड़ दिया।

मुंबई के हेड कोच महेला जयवर्धने ने इस्तीफा दिया:टीम को 3 आईपीएल जिताए

पिछले सीजन 9वें नंबर पर रही थी टीम



IPL 2026 फाइनल प्वाइंट्स टेबल

टीम	मैच	विजय	हार	नट	पुंज
MI	14	8	5	0	188
GT	14	9	5	0	186
SRH	14	9	5	0	188
RR	14	8	6	0	189
RRR	14	7	6	1	152
DC	14	7	7	0	146
CSK	14	6	7	1	139
CSK	14	6	8	0	132
ARI	14	4	10	0	88
LSG	14	4	10	0	88

परफॉर्मेंस की जिम्मेदारी भी संभाली थी। जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस उनके क्रिकेट करियर का खास हिस्सा रही है। खिलाड़ीयों, कोचिंग स्टाफ, प्रशंसकों और पूरे टीम परिवार ने इस सफर को यादगार बनाया। जयवर्धने ने कहा कि टीम के साथ हासिल की गई उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है।

15 नवंबर से पहले मुंबई को नया कोच तलाशना होगा

मुंबई इंडियंस के पास नया हेड कोच चुनने के लिए 15 नवंबर की आईपीएल रिटेंशन डेडलाइन से पहले एक महीने से भी कम समय बचा है। आईपीएल की वीलामी दिर्संबर के मध्य के आसपास गोवा में होने की उम्मीद है। चारिंदा वास पहली बार आईपीएल में कोचिंग देंगे, दिल्ली ने मुनाफ की जगह फास्ट बॉलिंग कोच बनाया श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चारिंदा वास पहली बार आईपीएल में कोचिंग करेंगे। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने फास्ट बॉलिंग कोच बनाया है। वे अगले आईपीएल सीजन में मुनाफ पटेल की जगह लेंगे।

एजेंसी नई दिल्ली
मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने शनिवार, 17 अक्टूबर को पद छोड़ दिया। 49 साल के जयवर्धने का यह मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल था। वे 2025 सीजन से पहले दोबारा टीम के हेड कोच बने थे।

2025 में चौथे स्थान पर रही और क्वालिफायर-2 में हार गई थी। पिछले सीजन में टीम 9वें स्थान पर रही।

4 साल पहले ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस बने थे जयवर्धने
जयवर्धने ने 2022 में मुंबई इंडियंस के ग्लोबल हेड ऑफ

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने 173 रन बनाए

19 चौके-8 छक्के लगाए, वीनू मांकड़ ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेली कप्तानी

एजेंसी नई दिल्ली
पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने शुवार को वीनू मांकड़ ट्रॉफी में दिल्ली -19 की ओर से 173 रन की पारी खेली। वे दिल्ली -19 के कप्तान भी हैं। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चंडीगढ़ -19 के खिलाफ हुए मैच में आर्यवीर ने 143 गेंदों पर 19 चौके और 8 छक्के लगाए। दिल्ली ने 50 ओवर में 289 रन बनाए, हालांकि चंडीगढ़ ने 41.3 ओवर में 5 विकेट खेकर यह टारगेट चेंज कर लिया।

भारत के लिए पिछले महीने अंडर-19 डेब्यू किया
18 साल के आर्यवीर ने पिछले महीने भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सीरीज की तीन पारियों में 109 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट करीब 104 रहा। सीरीज में उनका सबसे बड़ा स्कोर 47 रन था। आर्यवीर राजकोट में ऑस्ट्रेलिया, के खिलाफ सीरीज के लिए भारत, कैप



का हिस्सा भी रहे।

कूच बिहार ट्रॉफी में 297 रन बनाए थे
आर्यवीर सहवाग ने दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला। उन्होंने 2 मैचों में 24 रन बनाए। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ 297 रन की पारी खेलकर चर्चा में आए थे।

वीनू मांकड़ के नाम पर ट्रॉफी

वीनू मांकड़ ट्रॉफी की ओर से कराई जाने वाली अंडर-19 वनडे फिंकेट टूर्नामेंट है। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों और फिंकेट संघों की अंडर-19 टीमों हिस्सा लेती हैं। यह टूर्नामेंट 50 ओवर के फॉर्मेट में खेला जाता है। इसका नाम भारत के पूर्व क्रिकेटर वीनू मांकड़ के नाम पर रखा गया है। वीनू मांकड़ ने भारत के लिए 44 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 2109 रन बनाए और 162 विकेट लिए।

वीनू मांकड़ ने भारत के लिए 44 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 2109 रन बनाए और 162 विकेट लिए।

द्रविड़ के दोनों बेटे भी क्रिकेट में करियर बना रहे
राहुल द्रविड़ के दोनों बेटे समित और अन्वय द्रविड़ फिंकेट में अपना करियर बना रहे हैं। दोनों कर्नाटक के अलग-अलग एज कैटेगरी में खेलते हैं। समित मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और मीडियम

पेस गेंदबाज हैं। समित ने कर्नाटक की अंडर-19 टीम के लिए खेला है। 2023-24 के कूच बिहार ट्रॉफी सीजन में समित ने 8 मैचों में 362 रन बनाने के साथ 16 विकेट भी लिए थे। समित को सितंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया, लेकिन घुटने की चोट के कारण नहीं खेल सके। द्रविड़ के दूसरे बेटे अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और कर्नाटक की अंडर-19 टीम के लिए खेलते हैं। अन्वय द्रविड़ कर्नाटक अंडर-19 टीम के कप्तान हैं। अन्वय द्रविड़ कर्नाटक अंडर-19 टीम के कप्तान हैं। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में अन्वय ने 6 मैचों में 220 रन बनाए थे। जून 2026 में उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए भारत की अंडर-19 वनडे टीम में पहली बार चुना गया। इसके बाद उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में 67 गेंदों पर 87 रन की पारी खेली। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी अंडर-19 वनडे टीम में चुना गया था।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन सख्त : डीसी और सिटी एसपी के नेतृत्व में निकला बाइक फ्लैग मार्च

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : शारदीय दुर्गा पूजा के दौरान जिले में विधि-व्यवस्था को बनाए रखने, श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुख्ता करने और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में उपायुक्त आदित्य रंजन और सिटी एसपी ऋत्विक् श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने शहर में बाइक फ्लैग मार्च निकाला।

असामाजिक तत्वों पर नजर और सुरक्षा का संदेश

इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेना और आम जनता के बीच सुरक्षा व विश्वास का एक मजबूत माहौल



कायम करना था। प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों को बाइक पर सड़क पर उतरते देख लोगों में भी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है।

कई इलाकों के पूजा पंडालों का किया निरीक्षण

फ्लैग मार्च के दौरान प्रशासनिक टीम ने केवल धनबाद शहर के ही नहीं, बल्कि धनसार, केडुआ और

कतरास क्षेत्र के प्रमुख पूजा पंडालों का भी सघन निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पूजा कमेटियों के साथ बातचीत की और उन्हें सुरक्षा व व्यवस्था से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, शहर के मुख्य मार्गों का जायजा लेते हुए यातायात व्यवस्था को भी बारीकी से समीक्षा की गई।

शादी की नीयत से नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला, पुणे से सकुशल बरामद, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिले के नावा जयपुर थाना क्षेत्र से शादी की नीयत से नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, महाराष्ट्र के पुणे से नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, 06 अक्टूबर 2026 को मुख्य आरोपी नाबालिग लड़की को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद नाबालिग को महाराष्ट्र के पुणे में छिपाकर रखा



गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देश पर पुलिस ने नाबालिग की तलाश शुरू की। पुलिस टीम के प्रयास से उसे पुणे

से सकुशल बरामद कर लिया गया। साथ ही मामले के मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सनी कुमार (करीब 19

वर्ष), पिता जनेश्वर धुईया, ग्राम कस्बाखाड़, थाना नावा जयपुर, जिला पलामू के रूप में हुई है। इस संबंध में नावा जयपुर थाना कांड संख्या 38/26, दिनांक 17 अक्टूबर 2026 दर्ज किया गया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद नाबालिग की सकुशल बरामदगी से परिजनों को राहत मिली है। पुलिस ने बताया कि महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए अभियान लगातार जारी है। पलामू पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि महिला एवं बच्चों की सुरक्षा से संबंधित किसी भी घटना की सूचना तत्काल नजदीकी थाना को दें।

ट्रेन हादसे में कृष्णा राम के दोनों पैर कटे, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

परिवार का इकलौता कमाने वाला अस्पताल में भर्ती, इलाज और ऑपरेशन के लिए आर्थिक मदद की गुहार

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

हैदरनगर (पलामू)। एक दर्दनाक रेल हादसे ने 28 वर्षीय कृष्णा राम और उनके परिवार की जिंदगी में गहरा संकट खड़ा कर दिया है। वाराणसी-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से कृष्णा राम के दोनों पैर कट गए। गंभीर रूप से घायल कृष्णा राम का इलाज मेदिनीनगर स्थित मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में चल रहा है। हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिस युवक के कंधों पर पूरे परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी थी, आज वही अस्पताल में जिंदगी की मुश्किलों

से जूझ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, हादसा हैदरनगर थाना क्षेत्र के भाई बिगहा गांव का है। गांव निवासी राम रेखा राम के 28 वर्षीय पुत्र कृष्णा राम 16 अक्टूबर को ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में उनके दोनों पैर कट गए। पेशे से ट्रैक्टर चालक कृष्णा राम मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पेट पालते थे। लेकिन एक हादसे ने परिवार के सामने रोजी-रोटी से लेकर इलाज तक का गंभीर संकट खड़ा कर दिया है।

इलाज और ऑपरेशन के लिए आर्थिक मदद की जरूरत

परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इलाज और ऑपरेशन का खर्च जुटाना

बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे मुश्किल समय में परिजनों ने समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आर्थिक रूप से सक्षम लोगों से मदद की अपील की है। परिवार का कहना है कि लोगों के छोटे-छोटे सहयोग से भी कृष्णा राम के इलाज में बड़ी मदद मिल सकती है। परिजनों ने आम लोगों से इस अपील को अधिक से अधिक साझा करने का आग्रह किया है, ताकि जरूरत के समय परिवार को आर्थिक सहारा मिल सके।

कृष्णा राम का हादसे का शिकार होना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि मुश्किल घड़ी में सामाजिक सहयोग की

जरूरत का भी सवाल है। परिवार के सामने भविष्य की चिंता है। ऐसे में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और समाज के सक्षम लोगों से मानवीय आधार पर मदद की उम्मीद की जा रही है। अब सवाल यह है कि संकट की इस घड़ी में कृष्णा राम के परिवार का सहारा कौन बनेगा? क्या जनप्रतिनिधि और प्रशासन मदद के लिए आगे आएंगे? क्या समाज के सक्षम लोग इस परिवार की पीड़ा समझकर सहयोग का हाथ बढ़ाएंगे? फिलहाल, परिवार को उम्मीद है कि लोगों की संवेदनशीलता और सहयोग से कृष्णा राम के इलाज में मदद मिल सकेगी।

हजारीबाग में देवदयाल कुशवाहा की आठवीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नेताओं ने उनके आदर्शों को अपनाने का लिया संकल्प

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड सरकार के प्रथम कृषि मंत्री स्वर्गीय देवदयाल कुशवाहा की आठवीं पुण्यतिथि शनिवार को दारू प्रखंड के झुमरा स्थित देवदयाल स्मृति भवन में सादगीपूर्ण वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की शुरुआत दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना के साथ हुई। समारोह का संचालन उनके ज्येष्ठ पुत्र प्रकाश दयाल ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि स्वर्गीय देवदयाल कुशवाहा एक शिक्षक, व्यवसायी और कुशल राजनेता के रूप में अपनी अलग पहचान रखते थे। सोशल मीडिया



का दौर नहीं होने के बावजूद उन्होंने अपने कार्यों और व्यवहार से समाज के हर वर्ग के लोगों के दिलों में जगह बनाई। उनका व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि देवदयाल कुशवाहा की पहचान उनके कार्यों से होती थी। वे लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते और उनकी मदद के लिए तत्पर रहते थे। उन्होंने कहा कि आज के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं

को उनके राजनीतिक जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके विचारों को अपने आचरण में उतारना चाहिए। वहीं, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने उन्हें कर्मठ, सिद्धांतनिष्ठ और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने वाला नेता बताया। उन्होंने कहा कि देवदयाल कुशवाहा सुनी-सुनाई बातों के बजाय वास्तविक कार्यों पर विश्वास करते थे। झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में उनका योगदान अविस्मरणीय है। एकीकृत बिहार विधानसभा में भी उन्होंने

लगातार अलग राज्य की मांग को प्रमुखता से उठाया था। भाजपा के प्रेक्षर कार्यकारिणी सदस्य केपी ओझा ने कहा कि देवदयाल कुशवाहा संगठन को परिवार की तरह मानते थे। उन्होंने हजारीबाग में बारह मानते थे। उनके मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यकर्ताओं के साथ उनका आत्मीय संबंध संगठन की मजबूती का आधार था। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, प्रशांत सिन्हा, दिनेश कुमार, इंद्र नारायण कुशवाहा, अजय साहू, विनोद झुनझुनवाला, रंजनप्रत प्रसाद, अनेश्वर प्रसाद, धनीपत सिन्हा, नाराेश्वर महतो, देवदत्त प्रसाद, दिलीप कुमार और कमल प्रजापति सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय देवदयाल कुशवाहा के सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

सड़क हादसे में घायल व्यवसायी मनीराम महतो की मौत

अनगड़ा : सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल बेइसारी निवासी व्यवसायी मनीराम महतो (70) की शुक्रवार देर शाम इलाज के दौरान इरबा स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल में मौत हो गई। उनके निधन की खबर मिलते ही अनगड़ा क्षेत्र और गोन्दली पोखर बाजार में शोक की लहर दौड़ गई। लंबे समय से कारोबार के जरिए लोगों से जुड़े मनीराम महतो के निधन से स्थानीय लोगों और व्यापारियों में गहरा दुख है। जानकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह रांची-पुरुलिया सड़क पर हाहे गांव के समीप हुए सड़क हादसे में मनीराम महतो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके सिर में अंदरूनी चोट लगी थी, जिसके कारण हादसे के बाद से ही वह कोमा में चले गए थे। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए इरबा स्थित क्यूरेस्टा अस्पताल में भर्ती कराया था।

चिकित्सकों ने उन्हें बचाव का हरसंभव प्रयास किया।दो दिन पहले उनके सिर का ऑपरेशन भी किया गया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। शुक्रवार देर शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। मनीराम महतो गोन्दली पोखर बाजार में किराना सामान की थोक और खुदरा दुकान चलाते थे। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। निधन की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उनके निधन पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, पूर्व विधायक रामकुमार पहान, रणधीर चौधरी, डॉ. अमर कुमार चौधरी, डॉ. रिझु नायक, जिला परिषद सदस्य अनुराधा भुंडा, भाजपा के जैलेन्द्र कुमार, सुरेंद्र महतो, सुनील कुमार महतो, नरेश साहू, नीलकंठ चौधरी, जलनाथ चौधरी और रामपद्मे महतो सहित अन्य लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया और शोकसूचक परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

कमियों को दूर करने के दिए निर्देश

उपयुक्त आदित्य रंजन ने मीडिया से बातचीत में बताया कि फ्लैग मार्च और निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि



पूजा पंडालों और मेला क्षेत्रों में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन और सुचारु यातायात के पुख्ता इंतजामों का जायजा लिया जा रहा है, और निरीक्षण के दौरान जहाँ भी छोटी-मोटी कमियाँ नजर आ रही हैं, उन्हें तुरंत दूर करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि पूरा पर्व शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो सके।

तालाब में डूबने से 28 वर्षीय युवक की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : जिले के पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ बनिया तालाब में नहाने गए एक 28 वर्षीय युवक की गहरे पानी में जाने से डूबकर मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर है और मृतक के परिवार पर दुखों का भारी पहाड़ टूट पड़ा है।

तालाब में नहाने के दौरान हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामपुर गांव के काली मंदिर के पास स्थित बनिया तालाब में बीती देर शाम करीब 8 बजे कल्याण चंद्र (उम्र लगभग 28 वर्ष), पिता सुरेन्द्र नाथ चंद्र, नहाने के लिए उतरे थे। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और अपनी तरफ से युवक की तलाश के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन अंधेरा होने और पानी अधिक गहरा होने के कारण शाम को उनका कुछ पता नहीं चल सका। अगले दिन (शनिवार) सुबह कड़ी मशक्कत के बाद तालाब से कल्याण चंद्र का शव बरामद किया गया।

परिवार पर पहले भी आ चुका है वज्रपात

स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक



कल्याण चंद्र 'क्रेडो इंटरनेशनल स्कूल' में गाड़ी चलाने का काम करते थे और अपने परिवार का मुख्य सहारा थे। उनके पिता हलवाई का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। यह हादसा इस परिवार ने अपने बड़े बेटे विष्णु चंद्र को भी खो दिया था, जिसकी मौत सर्पदंश (सांप काटने) से हो गई थी। अब घर के मंझले बेटे की इस तरह अचानक हुई दर्दनाक मौत से माता-पिता और पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने शव को भेजा पोस्टमार्टम के लिए

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच भेज दिया। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इस घटना से पूरे रामपुर गांव में मातम पसरा हुआ है।

नवजात कन्याओं का हुआ पूजन, महिलाओं ने दिया 'बेटियां बोझ नहीं, गौरव हैं' का संदेश



धनबाद (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): कोयलांचल में शारदीय नवरात्रि की धूम के बीच धनबाद से एक बेहद प्रेरणादायक और खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। धनबाद की 'खुशियों की उड़ान' संस्था की महिलाओं ने बेटियों को मां शक्ति का स्वरूप मानते हुए एक अनूठी पहल की है। संस्था की सदस्यों ने शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमएमसीएच) पहुंचकर 51 नवजात कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अस्पताल के प्रसव वार्ड में नवरात्रि के पावन अवसर पर कुछ ऐसा भावुक नजारा देखने को मिला, जिसने सबका दिल जीत लिया। संस्था की महिलाओं ने पिछले कुछ दिनों में अस्पताल में जन्म लेने वाली 51 नन्हीं बच्चियों को वस्त्र, मिठाइयां और चुनरी भेंट की। महिलाओं ने इन नवजात कन्याओं से आशीर्वाद लेते हुए उनके स्वस्थ जीवन, दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था की सचिव निहारिका सिंह ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नवरात्रि के पारंपरिक कन्या पूजन के साथ-साथ समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। आज भी समाज में कुछ जगहों पर बेटे के जन्म को लेकर पुरानी और नकारात्मक मानसिकता देखने को मिलती है। संस्था की महिलाओं ने इसी सोच पर गहरी विनंता जताई। उन्होंने हाल ही मेंएस एनएमएमसीएच में जन्मी एक जुड़वां बच्चियों का जिक्र किया, जिन्हें उनके परिजन अस्पताल में ही छोड़कर चले गए थे। ऐसी घटनाएं आज भी हमारे समाज की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करती हैं। बेटियां किसी से कम नहीं संस्था की सदस्य सरिता सिंह और कोषाध्यक्ष मंजू पांडेय ने कहा कि सनातन संस्कृति में कन्याओं को सीधे तौर पर मां शक्ति का रूप माना गया है। यह सम्मान केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बेटियों के पालन-पोषण, उनकी सुरक्षा और उच्च शिक्षा में भी दिखना चाहिए। लड़का और लड़की में कोई फर्क नहीं है; यदि बेटियों को भी समान अवसर मिलें, तो वे हर क्षेत्र में अपने परिवार और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। त्योहारों से आगे बढ़कर अपनी ही गोती सोच धनबाद में 'खुशियों की उड़ान' संस्था की यह पहल आस्था को एक मजबूत सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ती है। इस संदेश साफ है कि बेटियां का जन्म भी एक उत्सव है, उनका सम्मान समाज का वैधिक कर्तव्य है और उन्हें जगह बढने के समान अवसर देना हम सबकी जिम्मेदारी है। जरूरत इस बात की है कि बेटियों के प्रति यह सम्मान और समानता को भावना सिर्फ नवरात्रि के नौ दिनों तक सीमित न रहे, बल्कि हर घर की स्थायी सोच बन।

समाचार सार

एटीएम में डालने जा रहे कर्मों से दिनदहाड़े 21.40 लाख रुपये की लूट



बोकारो(रफ़्तार मीडिया संवाददाता) : बोकारो में अपराधियों ने लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। माराफारी थाना क्षेत्र के बोकारो नाथ धाम शिव मंदिर के पास पल्सर बाइक सवार दो अपराधियों ने हीटाची कंपनी के कर्मों से 21 लाख 40 हजार रुपये लूट लिए। कर्मों विजय कुमार नया मोड़ स्थित एक्सिस बैंक से रकम लेकर कुमीर्डीह और बालीडीह स्थित हीटाची कंपनी के एटीएम में पैसे डालने जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें रोककर गाली-गलौज और हाथापाई की और रुपये लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। पीड़ित कर्मों विजय कुमार ने बताया कि दो दिनों तक बैंक बंद रहने के कारण आज अधिक राशि निकाली गई थी, जिसे दोनों एटीएम में जमा करना था। आमतौर पर वह कम रकम लेकर जाते हैं, लेकिन इस बार राशि अधिक थी। इसी दौरान अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। वहीं मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि घटना के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है। साथ ही, बिना निर्धारित प्रोटोकॉल के इतनी बड़ी रकम कैसे ले जाई जा रही थी, इसकी भी जांच की जाएगी।

बंदूक से खेल रहे तीन साल के बच्चे को लगी गोली, मौत



बोकारो (रफ़्तार मीडिया संवाददाता) : बोकारो में एक भौचक कर देने वाली खबर सामने आई है जहां खेल खेल में एक साढ़े तीन वर्षीय बच्चे को उनके सिर में गोली लग गई। गोली लगने से साढ़े तीन वर्षीय बच्चा की मौत हो गई।वरअसल यह घटना माराफारी थाना क्षेत्र के कर्नल मार्फेट के रांची मोहल्ला की है जहां मृतक शाहिल कुमार का मामा राजेश कुमार ने अपने साढ़े तीन वर्षीय भगिना को खेल खेल में ओरिजनल हथियार थमा दिया। माराफारी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर संजय कुमार ने कहा कि मामा ने मृतक को असली हथियार थमा दिया, किसी प्रकार ट्रिगर दब जाने से साहिल कुमार को सिर में गोली लग गई।घटना को लेकर परिवार के लोगों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन मामा राजेश कुमार घटना के बाद फरार हो गया हैं। पुलिस इस मामले में यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आर्म्स लाइसेंस था या गैर लाइसेंसी? घटना के बाद इलाके में भय का माहौल कायम हो गया है।

विस्थापितों ने किया बीएसएल का सभी गेट जाम, उत्पादन प्रभावित



बोकारो (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): बोकारो में बीएसएल के सभी गेटों को विस्थापित संगठनों ने जाम कर दिया है। जिसका असर अब उत्पादन पर भी पड़ने लगा है। सभी गेटों को जाम कर देने से मजदूर कंपनी के अंदर नहीं पहुंच पाए और उत्पादित सामग्री की ढुलाई, कच्चे मालों की डिलीवरी तक प्रभावित होने लगे हैं। विस्थापित ऑपरेटर्स संघ एवं अन्य विस्थापित संगठन एक मंच पर आ गए हैं जिन्हें सभी संगठनों का समर्थन प्राप्त है। मालूम हो कि दो दिन पूर्व विस्थापितों ने तीन गेट जाम कर सांकेतिक सूचना सेल को दे दिया था लेकिन प्रबंधन एवं नेताओं के बीच करायी गई वार्ता सकारात्मक नहीं होने से विस्थापित उग्र हो गए हैं। विस्थापित नेता अजय सिंह ने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होती है तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। सेल या तो नौकरी दे या हमारा जमीन वापस कर दे। चूंकि विस्थापित अब भूखे नहीं रह सकता, हम खेती करेंगे। मालूम हो कि विस्थापित अप्रेटिंस कर नौकरी की आस में बैठे थे, जिनकी उम्र सीमा समाप्त होने के कगार पर है। नौकरी और विस्थापितों के समस्याओं को लेकर भूख हड़ताल आठ दिनों से जारी है। भूख हड़ताल पर स्थानीय विधायक रंवेता सिंह भी बैठी हैं।

सड़क हादसे में घायल युवक की मदद कर मानवता का मिशाल पेश किया विजय किस्कू

मांडू (रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। मांडू प्रखंड के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र अंतर्गत मुकुंदाबेड़ा कांटा के समीप एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अज्ञात वाहन बाइक सवार को जोरदार टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। हादसे में युवक का एक पैर बुरी तरह टूट गया। घायल युवक की पहचान परसाबेड़ा निवासी बीरबल हेम्ब्रोम के रूप में की गई है। घटना के बाद घायल युवक काफी देर तक सड़क पर पड़ा तड़पता रहा। इसी दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता विजय किस्कू चैनपुर से अपने आवास लौट रहे थे। सड़क पर घायल युवक को देखकर उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी रोकी और उसकी स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने तुरंत एंबुलेंस को फोन कर बुलाया तथा स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को एंबुलेंस में बैठवाकर इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच), वेस्ट बोकारो, घाटो पहुंचाया। सड़क पर घायल पड़े युवक की मदद के लिए विजय किस्कू द्वारा तत्काल पहल किए जाने की स्थानीय लोगों ने सराहना की। उनकी तत्परता से घायल युवक को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद मिली। बताया जाता है कि विजय किस्कू इससे पहले भी कई मौकों पर जरूरतमंद लोगों की सहायता कर चुके हैं। उनके इस मानवीय प्रयास की क्षेत्र में चर्चा हो रही है।